गैरसैंण, बुधवार
11 सितम्बर 2024
वर्षः 16
अंकः 125 पृष्ठः 4
मूल्यः 2.00
RNI No.UTTHIN/2005/16338

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

प्रधानाचार्य भर्ती होगी स्थगित

देहरादून। सरकार ने आखिरकार सरकार ने सरकारी इंटर कालेज के प्रधानाचार्य की विभागीय सीधी भर्ती परीक्षा को फिलहाल स्थगित करने का निर्णय ले लिया।मंगलवार को शिक्षा सचिव रविनाथ रमन ने उत्तराखंड लोक सेवा आयोग के सचिव को पत्र भेजते हुए 29 सितंबर को प्रस्ताव परीक्षा को स्थगित करने को कहा है। वर्तमान राज्य शैक्षिक (अध्यापन संवर्ग) राजपत्रित सेवा नियमावली को संशोधित करने के बाद ही परीक्षा को कराया जाएगा। मालूम हो कि शिक्षक वर्तमान नियमावली के प्रावधान और भर्ती प्रक्रिया के खिलाफ आंदोलन कर रहे हैं। शिक्षकों की नाराजगी इस बात पर ज्यादा है कि सरकार ने केवल प्रधानाध्यापक और प्रवक्ताओं को ही भर्ती परीक्षा के लिए पात्र माना। जबकि एलटी शिक्षकों के एक बड़े वर्ग की अनदेखी कर दी। राजकीय शिक्षक भर्ती प्रक्रिया को निरस्त करने की मांग को लेकर दो सितंबर से आंदोलन कर रहा है। छह सितंबर को शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत की अध्यक्षता में शिक्षा, वित्त, कार्मिक, न्याय विभाग की उच्चस्तरीय बैठक में वर्तमान भर्ती नियमावली में बदलाव करने का निर्णय किया था। नई संशोधित नियमावली के अस्तित्व में आने तक वर्तमान भर्ती प्रक्रिया को स्थगित करने पर सहमति बन गई थी। सरकार ने प्रधानाचार्य पद के लिए आयु सीमा को 50 से बढ़ाकर 55 साल करने और पंद्रह साल की सेवा पूरी कर चुके 5400 ग्रेड वाले एलटी शिक्षकों को भी पात्र बनाने का निर्णय किया है। शिक्षकों के हित में कुछ और संशोधन भी प्रस्तावित हैं प्रधानाचार्य के 50 प्रतिशत रिक्त पदों पर विभागीय हित में और अधिक प्रतिस्पर्धी लाने के लिए वर्तमान राज्य शैक्षिक (अध्यापन संवर्ग) राजपत्रित सेवा नियमावली में कुछ संशोधन करने का निर्णय किया गया है। संशोधित नियमावली के आधार पर परीक्षा कराई जा सकती है। – रविनाथ रमन, शिक्षा सचिव

मंत्री को बताए बिना हो रहे तबादले, अटेचमेंट, प्रमोशन

देहरादून। प्रशिक्षण एवं सेवायोजन विभाग में कर्मचारियों के तबादले, सम्बद्धीकरण और पदोन्नति के मामलों को विभागीय मंत्री के संज्ञान में नहीं लाया जा रहा है। इस पर विभागीय मंत्री सौरभ बहुगुणा के स्तर से सख्त नाराजगी जताई गई है। मंत्री के प्रमुख निजी सचिव जेसी गुणवंत की ओर से निदेश-क प्रशिक्षण एवं सेवायोजन को पत्र लिख कर इस व्यवस्था पर नाराजगी जताई गई है। साफ किया गया है कि यदि भविष्य में इस तरह का कोई भी आदेश किया गया, तो ऐसे आदेश स्वतः ही निरस्त समझे जाएंगे। पत्र में दो टूक स्पष्ट किया गया है कि विभागाध्यक्ष के स्तर से खुद ही आदेश किए जा रहे हैं। इन आदेशों के लिए न तो विभागीय मंत्री का अनुमोदन लिया जा रहा है।

न ही आदेश उनके संज्ञान में लाए जा रहे हैं। आदेश जारी किए जाने के बाद भी उन्हें जानकारी के लिए भी विभागीय मंत्री के पास नहीं भेजा जा रहा है। इस पर गहरी नाराजगी जताई गई है। निर्देश दिए गए कि भविष्य में किए जाने वाले आदेश का पहले अनुमोदन लिया जाए। आदेश होने के बाद उसकी प्रति उपलब्ध कराई जाए। इसके लिए विभागीय मंत्री के कार्यालय से बाकायदा ईमेल आईडी भी निदेशक को भेजा गया है।

छात्र की मौत

चम्पावत। टनकपुर में छात्र की मौत की गुत्थी पोस्टमार्टम के बाद भी नहीं सुलझ पाई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में अत्यधिक रक्तस्राव के कारण के मौत होने की बात सामने आई है। लेकिन मौत हादसे में हुई अथवा हत्या की गई, ये अब भी पहले बना हुआ है। हालांकि पुलिस दुर्घटना में छात्र की मौत होने का अंदेशा जता रही है, जबकि मृतक के परिजन अब भी इसे हत्या ही मान रहे हैं। बीते रविवार की सुबह बिचई से लगे हजाराबाग में हाईवे के किनारे में 17 वर्षीय अमोस की लाश मिली थी। इस मामले में मंगलवार को शव की पोस्टमार्टम रिपोर्ट आ गई है। इसमें अत्यधिक रक्तस्राव से छात्र की मौत होने की बात कही गई है। सीएमएस डॉ घनश्याम तिवारी ने बताया कि अधिक खून बहने से मौत हुई है। बताया कि मृतक के सिर में चोट और शरीर में अन्य जगह रगड़ के निशान मिले हैं।

न्याय से जुड़े इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध : धामी

● सीएम धामी ने किया बार एसोसिएशन के नवीन भवन का शिलान्यास और भूमि पूजन

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को न्यायिक परिसर (पुरानी जेल) देहरादून में बार एसोसिएशन देहरादून के नवीन भवन का शिलान्यास और भूमि पूजन किया। मुख्यमंत्री ने सभी अधिवक्ततागणों को नए चैम्बर भवन के शिलान्यास की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज का दिन बहुत ऐतिहासिक है। कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में उत्तराखंड सहित पूरे देश में न्यायिक इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़े कार्य को मजबूत करने का काम अनवरत रूप से किया जा रहा है। पिछले दस वर्षों में मोदी सरकार ने न्यायिक इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए 8000 करोड़ से ज्यादा की धनराशि खर्च की है। उन्होंने कहा कि राज्य में 09 नवम्बर 2024 से पहले समान नागरिक संहिता लागू की जायेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार ने अंग्रेजों के जमाने के तमाम कानूनों को हटाकर आज की नई आवश्यकता के अनुसार नए कानूनों को लागू किया है। इन कानूनों के लागू होने के बाद न्याय की अवधारणा को और भी अधिक मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि नए कानूनों के तहत इलेक्ट्रॉनिक और डिजिटल रिकॉर्ड को भी मजबूत सबूत के रूप में मान्यता मिली है, जो कि आज की डिजिटल क्रांति के समय में अहम है। इससे सभी अधिवक्ताओं को अपना पक्ष कोर्ट में आसानी से रखने में सहायता मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इसी प्रकार राज्य के अंदर प्रदेश में जितने भी न्याय से जुड़े इंफ्रास्ट्रक्चर हैं उन्हें मजबूत करने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने कहा कि देहरादून बार एसोसिएशन के चैम्बर भवन की मांग भी काफी लंबे समय से चल रही थी, इसके संबंध में बार एसोसिएशन के साथ अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद के पदाधिकारियों ने भेंट कर नए भवन हेतु जमीन की मांग की थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि यहां पर कुल साढ़े पांच हजार से ज्यादा लोग कार्यरत हैं। इसलिए सभी की समस्याओं को समझते हुए पांच बीघा जमीन बार एसोसिएशन देहरादून को देने का निर्णय लिया था। उन्होंने कहा कि इस जमीन पर 1500 चैम्बर, एक ऑडिटोरियम, लाइब्रेरी, कैंटीन, पार्किंग से भरपूर नौ मंजिला भवन का निर्माण करवाया जाएगा। कहा कि इस भवन निर्माण के लिए हर संभव सहयोग दिया जायेगा। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री प्रेमचन्द अग्रवाल, विधायक खजान दास, विनोद चमोली, उमेश शर्मा काऊ श्रीमती सविता कपूर, जिला जज प्रेम सिंह खिमाल, बार एसोसिएशन देहरादून के अध्यक्ष राजीव शर्मा, सचिव राजवीर सिंह बिष्ट और अधिवक्तागण उपस्थित थे।

पीसीएस अफसरों के बंपर प्रमोशन, आदेश जारी

देहरादून। राज्य सरकार ने प्रांतीय सिविल सेवा (कार्यकारी शाखा) में बंपर प्रमोशन किए हैं। 27 पीसीएस अफसरों को चयन श्रेणी से विशेष श्रेणी जबकि 10 को ज्येष्ठ श्रेणी से चयन श्रेणी ग्रेड पे पर प्रोन्नत किया है। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी के अनुमोदन के बाद अपर मुख्य सचिव कार्मिक आनंद बर्धन ने मंगलवार को यह आदेश किए हैं। जिन 27 पीसीएस को विशेष श्रेणी ग्रेड पे दिया है, उनमें श्रीष कुमार, सादिया आलम, डा. ललित नारायण मिश्रा, अशोक कुमार पांडेय, विप्रा त्रिवेदी, डा. अभिषेक त्रिपाठी, शिव कुमार बरनवाल, मुहम्मद नासिर, इला गिरि, राहुल कुमार गोयल, जयभारत सिंह, वीर सिंह, त्रिलोक सिंह व सुंदर लाल सेमवाल शामिल हैं। इनके अलावा मोहन सिंह, गिरीश चंद्र गुणवंत, शिवचरण द्विवेदी, प्रकाश चंद्र दुम्का, चंद्र सिंह मर्तोलिया, हेमंत कुमार वर्मा, उत्तम सिंह चौहान, जगदीश चंद्र कांडपाल, चंद्र सिंह , अशोक कुमार जोशी, अरविंद कुमार पांडेय, कृष्ण कुमार मिश्र और प्यारे लाल भी हैं। इन सभी को 7600 ग्रेड पे से 8700 ग्रेड पे में प्रोन्नति दी गई है। इनमें श्रीष कुमार को छोड़कर अन्य सभी की पदोन्नति हाईकोर्ट में लंबित वाद के निर्णय के अधीन रहेगी। पीसीएस संवर्ग के अन्य 10 जिन अफसरों को ग्रेड पे 6600 से 7600 ग्रेड पे में पदोन्नति मिली है, उनमें श्याम सिंह राणा, किशन सिंह नेगी, नारायण सिंह नबियाल, अनिल गर्ब्याल, रजा अब्बास, विवेक प्रकाश, अवधेश कुमार सिंह, विवेक राय, पंकज कुमार उपाध्याय और दिनेश प्रताप सिंह शामिल हैं।

मणिपुर हिंसा को लेकर अलर्ट मोड में केंद्र सरकार

मणिपुर। मणिपुर हिंसा ने अब और भी भयानक रूप ले लिया है, जगह–जगह लोगों के प्रदर्शन जारी हैं। इस बीच केंद्र ने जातीय संघर्षग्रस्त मणिपुर में सुरक्षा कर्तव्यों के लिए लगभग 2,000 कर्मियों वाली दो नई सीआरपीएफ बटालियनों की तैनाती का निर्देश दिया है। बटालियन नंबर 58 को तेलंगाना के वारंगल से जबकि 112 नंबर वाली बटालियन को झारखंड के लातेहार से भेजा जा रहा है।सूत्रों का कहना है कि पहली इकाई का मुख्यालय मणिपुर के कांगवई (चुराचांदपुर) में होगा, जबकि दूसरी इंफाल के आसपास तैनात की जाएगी। उन्होंने कहा कि जम्मू–कश्मीर और पूर्वोत्तर के कुछ अन्य हिस्सों में परिचालन कर्तव्यों के लिए मणिपुर से असम राइफल्स की दो बटालियनों की वापसी के बाद इस कदम का आदेश दिया गया है।

तकनीकी गैजेट जल्द ही मणिपुर भेजे जाएंगे

बता दें कि सीआरपीएफ की एक बटालियन में लगभग 1,000 कर्मियों की परिचालन शक्ति होती है। सूत्रों के अनुसार, दो ड्रोन बंदूकें, जो ड्रोन या मानव रहित हवाई वाहन (यूएवी) को जाम कर देती हैं, जिससे वह दुर्घटनाग्रस्त हो जाता है या पीछे हट जाता है, मणिपुर में सीआरपीएफ कर्मियों को प्रदान की गई हैं। उन्होंने कहा कि इनमें से कुछ और तकनीकी गैजेट जल्द ही मणिपुर भेजे जाएंगे।सूत्रों ने आगे बताया, जो दो इकाइयां आगे बढ़ रही हैं उनमें ऐसे कर्मी हैं जिन्होंने विभिन्न आंतरिक सुरक्षा कर्तव्यों में ट्रेनिंग हासिल की है। अधिकारी ने कहा, उन्हें कुछ साजो–सामान, आवास, उपकरण और ड्रोन रोधी तकनीक की आवश्यकता होगी और इसकी योजना बनाई जा रही है।

ड्रोन के अध्यन के लिए मणिपुर पहुंचेगी एक्सपर्ट की टीम

इस बीच, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के अधिकारियों और कुछ स्वतंत्र तकनीकी विशेषज्ञों की एक संयुक्त टीम ड्रोन का "विश्लेषणात्मक अध्ययन" करने के लिए इस सप्ताह के अंत में मणिपुर पहुंचेगी।

पार्किंग मामले में हाईकोर्ट ने हरिद्वार प्राधिकरण और निगम से जवाब मांगा

नैनीताल। उत्तराखंड हाईकोर्ट ने हरिद्वार में हर की पैड़ी और रोड़ी बेलवाला में बनाई जा रही पार्किंग के मामले में हरिद्वार विकास प्राधिकरण (एचडीए) और नगर निगम से जवाब पेश करने को कहा है। साथ ही इस मामले में यथास्थिति बनाए रखने के भी आदेश दिए हैं। मामले की सुनवाई मंगलवार को मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति रितु बाहरी एवं न्यायमूर्ति राकेश थपलियाल की खंडपीठ में हुई। सुनवाई के दौरान उत्तर प्रदेश सरकार की तरफ से जवाब पेश कर कहा गया कि जहां पार्किंग बनाई जा रही है, वह जगह उत्तर प्रदेश सरकार के स्वामित्व की है। पार्किंग बनाने के लिए उत्तराखंड शासन ने यूपी से अनुमति तक नहीं ली। यूपी के इस जवाब पर कोर्ट ने हरिद्वार विकास प्राधिकरण एवं नगर निगम से 12 सितंबर तक जवाब पेश करने को कहा है। मामले की अगली सुनवाई भी 12 सितंबर को की जाएगी। मामले के अनुसार, हरिद्वार निवासी जय प्रकाश बड़ोनी ने हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर कर कहा है कि हरिद्वार में हर की पैड़ी गंगा तट समेत कई अन्य जगहों पर हरि गंगा के किनारे एकमात्र मैदान में नगर निगम पार्किंग बना रहा है। जाम की वजह से हरिद्वार में होने वाले विभिन्न पर्वों के दौरान इन्हें मनाने यहां आने वाले लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। हरिद्वार एक धार्मिक स्थल है, न कि कोई पिकनिक स्पॉट। इसकी गरिमा बनाई रखी जाए।

विस बैकडोर भर्ती मामले में तीन हफ्ते में जवाब दे सरकार : हाईकोर्ट

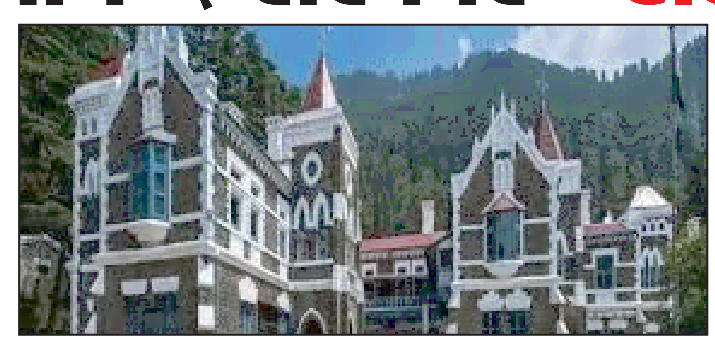

हल्द्वानी। उत्तराखंड विधानसभा में बैकडोर भर्ती में भ्रष्टाचार एवं अनियमितता के आरोप को लेकर दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को तीन सप्ताह का समय देते हुए जवाब पेश करने को कहा है। मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति रितु बाहरी एवं न्यायमूर्ति आलोक कुमार वर्मा की खंडपीठ में मंगलवार को सुनवाई हुई। याचिकाकर्ता ने उत्तराखंड विधानसभा में वर्ष 2000 में राज्य गठन के बाद से 2022 तक विधानसभा में हुईं बैकडोर नियुक्तियों की जांच एवं इसमें शामिल रहे माननीयों से सरकारी धन की वसूली की मांग की है। अगली सुनवाई 15 अक्तूबर को होगी। जनहित याचिका के अधिवक्ता अभिजय नेगी ने बताया कि हाईकोर्ट ने पूर्व की सुनवाई में छह फरवरी 2003 के शासनादेश के अनुरूप कार्यवाही के निर्देश दिए थे। इसमें ह्यमाननीयों से सरकारी धन की वसूली एवं अन्य प्रावधानों का स्पष्ट उल्लेख है, लेकिन कई महीनों बाद भी राज्य सरकार का कोई जवाब नहीं आया। ऐसे में मंगलवार को सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने सरकार को स्पष्ट निर्देश देते हुए सचिव कार्मिक का जवाब तीन सप्ताह के भीतर प्रस्तुत करने को कहा। उत्तराखंड विधानसभा में बैकडोर भर्ती में भ्रष्टाचार एवं अनियमितता को लेकर देहरादून निवासी कांग्रेस नेता एवं सामाजिक कार्यकर्ता अभिनव थापर की जनहित याचिका हाईकोर्ट में विचाराधीन है। मामले के अनुसार, देहरादून निवासी अभिनव ने जनहित याचिका के जरिए विधानसभा में हुईं बैकडोर भर्तियों, भ्रष्टाचार एवं अनियमितताओं को चुनौती दी है। याचिक-ाकर्ता ने कहा है कि विधानसभा सचिवालय ने जांच समिति बनाकर वर्ष 2016 के बाद विधानसभा सचिवालय में हुई भर्तियों को निरस्त कर दिया, जबकि उससे पहले की नियुक्तियों पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। याचिका में आरोप है कि यह घोटाला वर्ष 2000 में राज्य गठन से अब तक होता रहा है, जिसकी सरकार ने अनदेखी की है। याचिकाकर्ता ने कहा है कि तदर्थ नियुक्ति के मामले में तत्कालीन विधानसभा अध्यक्षों और तत्कालीन मुख्यमंत्रियों से संबंधित शासनादेश के अनुरूप रिकवरी नहीं की गई।

जवाब दाखिल करने को मांगा था समय

थापर ने जनहित याचिका दायर कर विधानसभा भर्ती में भ्रष्टाचार से नौकरियां लगवाने वाले ताकतवर लोगों के खिलाफ हाईकोर्ट के सिटिंग जज की निगरानी में जांच कराने एवं लूट मचाने वालों से सरकारी धन की रिकवरी की मांग की थी। हाईकोर्ट ने मामले को गंभीरता से लेते हुए 28 फरवरी 2024 को स्पष्ट आदेश दिए कि विधानसभा सचिवालय में नियमविरुद्ध हुई बैकडोर भर्तियों पर रिपोर्ट प्रस्तुत करें, लेकिन राज्य सरकार की ओर सचिव कार्मिक ने जवाब दाखिल करने के लिए समय मांगा। याचिकाकर्ता ने हाईकोर्ट के समक्ष कहा कि सरकार ने छह फरवरी 2003 के शासनादेश, उत्तर प्रदेश विधानसभा की 1974 एवं उत्तराखंड विधानसभा की 2011 नियमावलियों का उल्लंघन भी किया है।

याचिकाकर्ता बोले 12 लाख से अधिक युवाओं की लड़ाई लड़ रहे

याचिकाकर्ता थापर ने बताया कि हाईकोर्ट के आदेश के क्रम में सभी तथ्यों समेत पूरी रिपोर्ट हाईकोर्ट की कार्यवाही के लिए दाखिल कर दी गई है। उन्होंने कहा कि वह उत्तराखंड के 12 लाख से अधिक बेरोजगार युवाओं को उनका हक दिलवाने की लड़ाई लड़ रहे हैं। याचिका में हमारे तथ्यों को 28 फरवरी 2024 को मान लिया गया है, जिसमें राज्य निर्माण के वर्ष 2000 से 2022 तक विधानसभा में भ्रष्टाचार से बैकडोर नियुक्तियों की बात कही गई है। थापर ने कहा कि गलत प्रक्रिया से नौकरी देने वाले अफसरों, तत्कालीन विधानसभा अध्यक्षों एवं तत्कालीन मुख्यमंत्रियों से सरकारी धन की लूट की वसूली की जाए। युवाओं की नौकरियों की लूट करवाने वाले माननीयों के खिलाफ सरकारी धन की रिकवरी कराने के साथ ही कानूनी कार्रवाई की जाए। याचिकाकर्ता ने कहा कि सरकार ने नियमों को दरकिनार करते हुए पक्षपातपूर्ण ढंग से अपने करीबियों को नौकरियां दी हैं।

ऑनलाइन ट्रेडिंग घोटाले में अभिनेत्री व कोरियोग्राफर पर कसा शिकंजा

गुवाहाटी ,असम पुलिस ने असमिया अभिनेत्री–कोरियोग्राफर सुमी बोरा और उनके पति तारिक बोरा के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया है। यह करोड़ों रुपये के ऑनलाइन ट्रेडिंग घोटाले में गिरफ्तारी से बच रहे हैं। इससे पहले पुलिस को आशंका थी कि सुमी बोरा और उनके पति मेघालय जाकर छिप गए होंगे। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, घोटाले के सरगना बिशाल फुकन की गिरफ्तारी के तुरंत बाद यह दोनों नेपाल भाग गए। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया, हम आरोपी सुमी बोरा और उसके पति को पकड़ने के लिए व्यापक तलाशी अभियान चला रहे हैं। हमारी टीम अलग–अलग जगहों पर फैली हुई है। हमें पूरा भरोसा है कि उन्हें बहुत जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने भी आश्वासन दिया है कि बोरा किसी भी समय पुलिस के घेरे में आ जाएंगी। कुछ गिरफ्तारियां अपराध के तुरंत बाद होती हैं। लेकिन कुछ गिरफ्तारियों के लिए लंबे समय की जरूरत होती है और यह स्थिति पर निर्भर करता है। हालांकि, मैं सभी को आश्वस्त करता हूं कि कोई भी बहुत लंबे समय तक पुलिस की गिरफ्तारी से बच नहीं सकता। पुलिस ने तलाशी अभियान शुरू कर दिया है।बता दें कि बिशाल फुकन की गिरफ्तारी के बाद सुमी बोरा तुरंत पुलिस की नजर में आ गईं। पुलिस गुवाहाटी के पठार क्वारी इलाके में उनके अपार्टमेंट में गई; हालांकि, अभिनेत्री और उनके पति घर पर नहीं थे। पुलिस ने सोसायटी परिसर के हर अपार्टमेंट की तलाशी ली, लेकिन दोनों का कोई सुराग नहीं मिला। एक पुलिस अधिकारी ने कहा, हमें अपार्टमेंट के बेसमेंट में सुमी बोरा की लग्जरी कार मिली।

अब भारत को नहीं होगी कच्चे तेल की टेंशन!

दिल्ली। अबू धाबी के क्राउन प्रिंस शेख खालिद बिन मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान ने अपनी पहली भारत यात्रा के दौरान बड़ी सौगात दी है। दोनों देशों ने ऊर्जा सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया है। इस दौरान भारत और संयुक्त अरब अमीरात ने चार समझौतों पर हस्ताक्षर भी किए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात के दौरान क्राउन प्रिंस ने रणनीतिक संबंधों को बढ़ावा देने जोर दिया।

परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में हुआ समझौता

भारत और यूएई परमाणु ऊर्जा और पेट्रोलियम के क्षेत्र में सहयोग और बढ़ाएंगे। चार समझौतों में पहला अबू धाबी नेशनल ऑयल कंपनी (एडीएनओसी) और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के बीच दीर्घकालिक एलएनजी आपूर्ति का समझौता है।

मुसलमानों को भड़का रहा भगोड़ा जाकिर नाइक, किरेन रिजिजू ने दिया करारा जवाब

नई दिल्ली। वक्फ संशोधन विधेयक 2024 के सहारे भगोड़ा जाकिर नाइक जहर उगल रहा है। अब केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने नाइक को करारा जवाब दिया है। रिजिजू ने जाकिर नाइक पर देश के मुसलमानों को गुमराह करने का आरोप लगाया। किरेन रिजिजू ने अपने एक्स अकाउंट पर लिखा कि कृपया बाहर से हमारे देश के निर्दोष मुसलमानों को गुमराह न करें। भारत एक लोकतांत्रिक देश है और लोगों को अपनी राय रखने का अधिकार है। जाकिर नाइक ने आठ सितंबर को देश के मुसलमानों से वक्फ संशोधन विधेयक 2024 का विरोध करने की अपील की थी। किरेन रिजिजू ने तीन वीडियो भी साझा किए। इनमें से एक में वक्फ संशोधन विधेयक के खिलाफ लोगों से अपनी राय देने की अपील की जा रही है।

जाकिर नाइक बोला– वक्फ बिल को अस्वीकार करें

जाकिर नाइक ने अपने एक्स अकाउंट पर लिखा था कि भारतीय वक्फ संपत्तियों की रक्षा करें, वक्फ संशोधन विधेयक को अस्वीकार करें! आइए हम सब मिलकर वक्फ की पवित्रता की रक्षा करें और भविष्य की पीढ़ियों के लिए इसके संरक्षण को सुनिश्चित करें। हदीस का जिक्रकर जाकिर नाइक ने लिखा कि, ह्अगर लोग कोई बुराई देखते हैं और उसे नहीं बदलते तो जल्द ही अल्लाह उन सभी पर अपनी सजा भेजेगा।ह्

'अगर विधेयक पारित हुआ तो अल्लाह के प्रकोप को झेलेंगे'

नाइक ने आगे कहा कि यह भारत के मुसलमानों के लिए एक जरूरी आह्वान है कि वे इस बुराई को रोकें जो वक्फ की पवित्र स्थिति का उल्लंघन करती है और इस्लामी संस्थाओं के भविष्य पर बुरा असर डालती है। अगर हम इस विधेयक को पारित होने देते हैं तो हम अल्लाह के प्रकोप और आने वाली पीढ़ियों के अभिशाप को झेलेंगे।

मुझे नहीं लगता निष्पक्ष चुनाव में बीजेपी 246 सीटों के आसपास पहुंच पाती, अमेरिका में बोले राहुल गांधी

नई दिल्ली , कांग्रेस नेता राहुल गांधी अमेरिका के दौरे पर हैं। उन्होंने यहां एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा सरकार पर जमकर हमला बोला। इस दौरान वो आरएसएस पर भी हमलावर रहे। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा, चुनाव से तीन महीने पहले हमारे सभी बैंक खाते सील कर दिए गए थे हम इस बात पर चर्चा कर रहे थे कि अब क्या करना है। मैंने कहा ह्यदेखेंगेह्व, देखते हैं हम क्या कर सकते हैं.. और हम चुनाव में उतर गए। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा, चुनावों के बाद कुछ तो बदल गया है। कुछ लोगों ने कहा कि ह्यडर नहीं लगता अब, डर निकल गया अबह्व। मेरे लिए यह दिलचस्प है कि भाजपा और पीएम मोदी ने इतना डर फैलाया, छोटे कारोबारियों पर एजेंसियों का दबाव बनाया, सब कुछ सेकंड में गायब हो गया। उन्हें यह डर फैलाने में वर्षों लग गए और वे कुछ ही सेकंड में गायब हो गया। संसद में, मैं प्रधानमंत्री को सामने देखता हूं और मैं आपको बता सकता हूं कि पीएम मोदी का विचार, 56 इंच का सीना, ईश्वर से सीधा संबंध, यह सब अब खत्म हो गया है, यह सब अब इतिहास है।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने आरएसएस पर कहा, आरएसएस का कहना है कि कुछ राज्य अन्य राज्यों से कमतर हैं, कुछ भाषाएं दूसरी भाषाओं से पीछे हैं, कुछ धर्म दूसरे धर्मों के बराबर नहीं हैं, और कुछ समुदाय दूसरे समुदायों से कमतर हैंज् हर राज्य का अपना इतिहास, परंपरा है.. आरएसएस की विचारधारा है कि तमिल, मराठी, बंगाली, मणिपुरी जैसी भाषाएं पिछड़ी हैं. यही लड़ाई है. ये लोग (आरएसएस) भारत को नहीं समझते।

राहुल गांधी ने कहा, चुनावों से पहले हम इस बात पर जोर देते रहे कि संस्थानों पर कब्जा कर लिया गया है।

कोलकाता में दिनदहाड़े चलती बस में महिला से छेड़छाड़

कोलकाता। आरजी कर मेडिकल अस्पताल में महिला डॉक्टर से रेप व हत्या के बाद जारी विरोध प्रदर्शनों के बीच कोलकाता के कसबा इलाके में मंगलवार सुबह चलती बस के अंदर एक महिला से एक सहयात्री ने कथित रूप से छेडखानी की। पुलिस ने यह जानकारी दी। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि घटना सुबह करीब साढ़े नौ बजे की है, जब बस में यह महिला चिल्लाने लगी, जिसके बाद यात्रियों ने आरोपित व्यक्ति को पकड़ लिया और उसकी पिटाई कर दी। महिला की उम्र करीब 25 साल है। अधिकारी ने बताया कि आरोपित ने बस से उतरकर भागने की कोशिश की, लेकिन आसपास के लोगों ने उसे पकड़ लिया और वे उसे कसबा थाने ले गए। महिला ने थाने में शिकायत दर्ज कराई और बाद में आरोपित को गिरफ्तार कर लिया गया।

दुश्मन की अब खैर नहीं!

भारतीय नौसेना ने उतारे दो जहाज, समुद्र में बिछाएंगे बारूदी सुरंगें

नई दिल्लीः भारतीय नौसेना ने कोचीन शिपयार्ड में आठवीं एंटी–सबमरीन वारफेयर शैलो वाटर क्राफ्ट प्रोजेक्ट के तहत चौथे और पांचवें जहाज क्रमशः 'माल्प और मुल्की' को एक साथ लांच किया है। इन पनडुब्बी विध्वंसक युद्धपोतों में कम गहरे जलक्षेत्रों या तटीय क्षेत्रों में युद्ध कौशल को अंजाम देने में महारथ हासिल है।

आत्मनिर्भर भारत की पहल के भारतीय तटीय सीमाओं की सुरक्षा के लिए माल्प और मुल्की जहाजों को एक साथ लांच करना स्वदेशी पोत निर्माण में भारत की प्रगति को दर्शाता है। रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को अपने आधिकारिक बयान में बताया है कि चौथे और पांचवें जहाज क्रमशः 'माल्प और मुल्की' को नौसैनिक परंपराओं के तहत विगत सोमवार को लांच किया गया।

भारतीय नौसेना की बढ़ेगी युद्ध क्षमता

यह आयोजन दक्षिणी नौसैनिक कमांड के कमांडिंग इन चीफ फ्लैग अफसर वाइस एडमिरल वी.श्रीनिवास की उपस्थिति में किया गया है। छिछले जलक्षेत्र में भी अपने लक्ष्य को अंजाम के लिए तैयार की गई। इन पनडुब्बियों को भारतीय नौसेना की युद्ध क्षमता बढ़ाने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। भारतीय नौसेना की एंटी–सबमरीन वारफेयर (एएसडब्ल्यू) के स्वदेशी व घातक अत्याधुनिक जहाजों में वाटर सेंसर लगे हैं जो पानी में भी पूरी सक्रियता से काम करते हैं।

सम्पादकीय

जीरो टॉलरेंस नीति पर सेंध

सरकारी विभागों में व्याप्त भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के लिए राज्य सरकार ने "जीरो टॉलरेंस नीति" अपनाई है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी इस विषय पर काफी गंभीर है और उन्होंने अपने पहले कार्यकाल में ही सरकारी कामकाज में भ्रष्टाचार एवं रिश्वतखोरी के खिलाफ कड़े एक्शन लेकर संकेत दे दिए थे कि भ्रष्ट अधिकारी के लिए व्यवस्थाओं में कोई जगह नहीं है। प्रदेश के सतर्कता विभाग ने पिछले कुछ समय में सरकारी विभागों में व्याप्त भ्रष्टाचार की शिकायत मिलने के बाद बड़े स्तर पर कार्रवाई की है जिसमें जीएसटी के आला अधिकारियों से लेकर बिजली विभाग एवं दूसरे विभागों में भ्रष्टाचारी कर्मचारियों को ट्रैप किया गया है। सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति के तहत ही विकास नगर में भी एक अभियंता को रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया गया। भ्रष्टाचार उन्मूलन की व्यवस्था तभी कारगर साबित हो सकती है जब आमजन विभागों में तैनात भ्रष्ट कर्मचारियों की शिकायत विजिलेंस या फिर सरकार तक पहुंचाएं। बिना आमजन के सहयोग के भ्रष्टाचार पर रोकथाम लगाने की कल्पना नहीं की जा सकती लेकिन अधिकांश मामलों में अपना कार्य निकालने के लिए अक्सर रिश्वत के लेनदेन का खेल विभागों में अंदर खाने तो कहीं खुले आम चलता ही रहता है। समस्या यह है कि भ्रष्टाचार रोकने के लिए विभाग के किस स्तर के अधिकारी को तैनात किया जाए जबकि पिछले कुछ मामलों में उच्च पदों पर बैठे अधिकारी ही भ्रष्टाचार एवं रिश्वतखोरी में लिप्त पाए गए हैं।

सरकारी विभागों में भ्रष्टाचार का खेल अपनी स्वार्थ सिद्धि के लिए हमेशा से ही चलता हुआ आया है और इस पर कभी भी पूर्ण रूप से रोकथाम नहीं लग पाई है। विजिलेंस या फिर सरकार भ्रष्टाचार के मामलों में तभी कार्रवाई कर सकती है जब कोई ठोस शिकायत जांच एजेंसी तक पहुंचे। सभी सरकारी पारदर्शी प्रशासन एवं भ्रष्टाचार मुक्त व्यवस्थाओं का दावा तो करती है लेकिन व्याप्त भ्रष्टाचार एवं पकड़े जाने वाले मामलों में जमीन आसमान का अंतर है। भ्रष्टाचार को रोकने के लिए सरकार की ओर से जनहित से जुड़े कई कायी में अब "ऑनलाइन या फिर सिंगल डोर सिस्टम" की व्यवस्था लागू की गई है लेकिन सरकारी काम के माहिर कुछ कर्मचारियों ने इसमें भी अपनी कमाई का रास्ता खोज निकला है। आवेदन या फिर सरकारी कार्य चाहे ऑनलाइन फीड किया जाए या फिर मैन्युअल, फाइल तो आखिरकार सरकारी कर्मचारियों की टेबल से ही गुजरनी है। जब तक किसी कार्य को निश्चित दिनों में पूर्ण करने की बाध्यता विभाग के लिए निश्चित नहीं की जाएगी तब तक भ्रष्टाचार के यह मामले सामने आते रहेंगे साथ ही सबसे महत्वपूर्ण काम यह करना होगा कि सरकार भ्रष्टाचार में लिप्त कर्मचारियों को आरोप सिद्ध होने पर सेवा मुक्त करें ताकि दूसरे कर्मचारियों के लिए ऐसी सजा एक मिसाल बन सके।

मॉल संस्कृति के मझधार में हिचकोले खाता उपभोक्ता

—राजेन्द्र कुमार शर्मा

मॉल कल्चर वास्तव में लोगों की मानसिकता को ध्यान में रखकर ही बाजार में लाया गया है। मॉल को पूरी तरह से लोगों के आकर्षण का केंद्र बनाकर ही इसकी योजना की गई है। मॉल के बाहर ही खाने पीने की स्वादिष्ट गर्म, ठंडे, चटपटे व्यंजन ग्राहक को अपनी ओर आकर्षित करते है, मॉल अपने नाम के अनुसार हर छोटी चीज को बड़ा और ग्लैमर के साथ दिखाता है। यहां तक कि अपने नाम को भी, बड़े–बड़े अक्षरों में अंकित करवाता है ताकि लोग दूर से पढ़ सकें और जान सकें कि यहां आसपास कोई मॉल है। अगर आप भी किसी भी मॉल में गए हों और आपने गौर फरमाया हो तो आपको वहां बहुत सी चीजें दिखाई देती है, जो बड़ी सरलता और सहजता से आपके नजर में आ जाती है। क्योंकि ये उस मॉल की विक्रय नीति का ही एक अभिन्न अंग है, वो उनकी रचना ही ऐसे करते है कि आपको नजर आते ही आपको उसे खरीदने की इच्छा होती है।

हाट से मॉल कल्चर तक के सफर को हमने एक लंबे समय में तय किया है। याद करिए वो समय जब अलग–अलग सामान के लिए हमें अलग–अलग दुकानों पर जाना पड़ता था। पंसारी की दुकान, कपड़े की दुकान, तेल के लिए कोल्हू, आटे के लिए आटा चक्की, बेकरी उत्पाद के लिए कंफेक्शनरी शॉप पर, सौंदर्य प्रसाधन के समान के लिए कॉस्मेटिक शॉप पर, बर्तनों के लिए अलग शॉप, इलेक्ट्रॉनिक्स सामान के लिए अलग दुकान आदि–आदि ऐसे कितने ही उदाहरण हैं जब हम बाजार में एक दुकान से दूसरी दुकान पर अपनी जरूरत की चीजें खरीदते हुए पूरे बाजार का भ्रमण कर लेते थे। धीरे–धीरे दुकानों की जगह सुपर बाजार या सुपरमार्केट ने ली जो हमारे जमाने के जनरल स्टोर की तरह होता था, जिसमें घर की सभी छोटी–मोटी चीजें एक ही जगह पर मिल जाती थी। धीरे–धीरे ये ही सुपर बाजार ही मॉल में परिवर्तित हो गए।मॉल कल्चर वास्तव में लोगों की मानसिकता को ध्यान में रखकर ही बाजार में लाया गया है। मॉल को पूरी तरह से लोगों के आकर्षण का केंद्र बनाकर ही इसकी योजना की गई है। मॉल के बाहर ही खाने पीने की स्वादिष्ट गर्म, ठंडे, चटपटे व्यंजन ग्राहक को अपनी ओर आकर्षित करते है, मॉल अपने नाम के अनुसार हर छोटी चीज को बड़ा और ग्लैमर के साथ दिखाता है। यहां तक कि अपने नाम को भी, बड़े–बड़े अक्षरों में अंकित करवाता है ताकि लोग दूर से पढ़ सकें और जान सकें कि यहां आसपास कोई मॉल है। अगर आप भी किसी भी मॉल में गए हों और आपने गौर फरमाया हो तो आपको वहां बहुत सी चीजें दिखाई देती है, जो बड़ी सरलता और सहजता से आपके नजर में आ जाती है। क्योंकि ये उस मॉल की विक्रय नीति का ही एक अभिन्न अंग है, वो उनकी रचना ही ऐसे करते है कि आपको नजर आते ही आपको उसे खरीदने की इच्छा होती है।एक और महत्वपूर्ण बात जिस पर कम ही लोग गौर करते हैं, वो है मॉल में समय देखने के लिए घड़ी न होना। कोई भी मॉल में घड़ी नहीं होती है। इसका कारण है ग्राहक को समय की बंदिशों से दूर ले जाना। ताकि आप जब भी मॉल में जाएं तो आपको समय का आभास ही न हो और आप शॉपिंग करना तब तक जारी रखे जब तक आपकी जेब खाली न हो जाए। कभी अनुभव कीजिए, अगर आपको सौ रुपये का सामान लेना है तो आप मॉल में हजार रुपये खर्च करके आ जाते हैं। आप ऐसे समान भी खरीद लेते हैं जिसकी आपको जरूरत नहीं होती, पर उस पर लिखे कम मूल्यों को देखकर आप थोड़ा लालच में आ जाते हैं और ये सोचकर खरीद लेते हैं कि भविष्य में काम आएगी। अर्थात आप अपनी एक नई जरूरत भविष्य के लिए तैयार कर लेते हैं। जो आज तक आपकी जरूरी चीजों की सूची में नहीं थी।

मॉल कैसे ग्राहक को जेब से पैसा निकालते हैं और कैसे 100 रुपए की वस्तु को 200 रुपए में बेच देते हैं या आप खरीदने एक पेंट जाते हैं जबकि खरीद के 3–3 पेंट शर्ट आते हैं। इसे भी समझने की जरूरत है। कोई सामान आपको बाजार मे 400 में मिल सकता है। मॉल में उसकी कीमत 1000 दर्शाई जाएगी। साथ ही उस पर एक 50 प्रतिशत छूट का टैग लगा दिया जाएगा। इससे उसकी कीमत 500 हो जाएगी। आप छूट के इस जाल में आसानी से आ जाएंगे। यह आपको तब महसूस होगा जब आप बाजार में जाकर उसकी कीमत मालूम करेंगे। तब पता चलेगा कि जो सामान आपने छूट लेकर खरीदा है, बाजार में वह सामान बिना छूट के ज्यादा सस्ता है। इसी प्रकार एक वस्तु खरीदो तो एक फ्री पायो या तीन पेंट या शर्ट खरीदो बदले में 2 पेंट या शर्ट फ्री पायो।कुछ ऐसे टैग है कि देखकर कोई भी व्यक्ति आसानी से जाल में फंस जाए और होता भी यही, जबकि ग्राहक समझ ही नहीं पाता है कि कोई भी ब्रांड अपनी चीजें फ्री में नहीं देता और बिना मुनाफे के भी नहीं देता है। जैसे आपने एक शर्ट खरीदी, उस पर अंकित कीमत 2999 रुपए है, बाय वन गेट वन के अंतर्गत आपको एक शर्ट फ्री में दे दी गई। यानी की आपको एक शर्ट लगभग 1500 रुपए की पड़ी, जबकि बाजार में उसी शर्ट की कीमत 1000 रुपए से ज्यादा नहीं पड़ती सीधा मतलब है कि आप 2000 रुपए में दो शर्ट खरीद ही सकते थे परंतु बाय वन गेट वन के लालच में वो ही 2 शर्ट आपने 3000 रुपए में पड़ती है। मॉल के इस कल्चर से ब्रांड को मुनाफा तो होता ही है साथ ही उसकी सेल में वृद्धि होती है। क्योंकि एक शर्ट की जगह दो शर्ट खरीदी जाती हैं। इस प्रकार यह सामानों की बिक्री की एक विपणन नीति होती है जिसमें उच्च स्तरीय महंगे सामानों को सस्ते में खरीदने की लोगों की मानसिकता का लाभ उठाया जाता है।इसी लिए मॉल कल्चर लोगों को खर्चिला बना रहा है। और लोग भी स्टेट्स के नाम पर आंख मिचकर पैसे खर्च कर देते है। रही सही कसर क्रेडिट कार्ड देकर बैंक प्रणाली ने पूरी कर दी। जेब में पैसा नही है तब भी कोई चिंता की बात नहीं ए प्लास्टिक मनी आपको आज खर्चो कल भरो का ऑप्शन देती है। पर कितना खर्चो इसकी मॉल में जाने के बाद कोई सीमा नहीं होती।

आर्थिक असमानता कम करने में बनें मददगार

अशोक शर्मा

एक खबर यह भी है कि दुनिया के दूसरे देशों के मुकाबले वर्ष 2022 में प्रवासी भारतीयों ने सबसे ज्यादा धन अपने घर भेजा। दोनों ही तथ्य देश में बढ़ती समृद्धि की ओर संकेत करते हैं। लेकिन इस उपलब्धि का धुंधला पक्ष यह भी है कि हमारे यहां आर्थिक असमानता के बीच खाई घटने की बजाय लगातार बढ़ती ही जा रही है। सीधे तौर पर कहें तो अमीर और अमीर होते जा रहे हैं, गरीब और गरीब। इसमें दो राय नहीं है कि हमारे महानगर कारोबारी दृष्टि से बड़े केन्द्र हैं।

दुनिया के सबसे अमीर लोगों के पचास शहरों की सूची में भारत के मुम्बई व दिल्ली का नाम भी आया है। साथ ही बेंगलूरु को अगले दशक के सबसे तेज बढ़ते करोड़पतियों के शहर के रूप में दर्ज किया गया है। वहीं एक खबर यह भी है कि दुनिया के दूसरे देशों के मुकाबले वर्ष 2022 में प्रवासी भारतीयों ने सबसे ज्यादा धन अपने घर भेजा। दोनों ही तथ्य देश में बढ़ती समृद्धि की ओर संकेत करते हैं। लेकिन इस उपलब्धि का धुंधला पक्ष यह भी है कि हमारे यहां आर्थिक असमानता के बीच खाई घटने की बजाय लगातार बढ़ती ही जा रही है। सीधे तौर पर कहें तो अमीर और अमीर होते जा रहे हैं, गरीब और गरीब। इसमें दो राय नहीं है कि हमारे महानगर कारोबारी दृष्टि से बड़े केन्द्र हैं। औद्योगिक प्रगति व निवेशकों के लिए बनने वाले अनुकूल माहौल के कारण भी महानगरों में तरक्की की रफ्तार ज्यादा होती है। मुम्बई और दिल्ली में करोड़पतियों की संख्या में अस्सी फीसदी से ज्यादा की ग्रोथ हुई है। ऐसी ग्रोथ जब भी होती है तो अमीर–गरीब के बीच खाई को कम करने के प्रयासों को और गति देने की जरूरत भी महसूस होती है।

यह बात सही है कि कोरोना के बाद युद्ध और जलवायु परिवर्तन के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था भी संकट से गुजर रही है, लेकिन भारत ने इस दिशा में संतोषजनक प्रगति की है। पिछले डेढ़ दशक में ही जो प्रयास किए गए, उनसे करोड़ों लोग गरीबी से उबरने में सफल हुए हैं। दो माह पहले ही एक रिपोर्ट में यह अनुमान लगाया गया था कि अगले पांच साल में भारत में ह्यसुपर रिचह्न लोगों की तादाद बढ़ेगी। यह भी एक तथ्य है कि आर्थिक असमानता की बड़ी वजह कल्याणकारी योजनाओं की जरूरतमंद लोगों तक पहुंच नहीं होना भी है।

एक तरफ करोड़पतियों के शहरों की सूची में हमारे देश के शहरों के नाम गौरव की अनुभूति देते हैं तो दूसरी ओर यह तथ्य भी चिंता पैदा करता है कि आबादी का बड़ा हिस्सा अपने को आर्थिक रूप से मजबूत कर ही नहीं पा रहा। बेरोजगारी और महंगाई जैसे कारण इसके लिए जिम्मेदार तो होते ही हैं, अमीर होते लोगों की भूमिका पर भी सवाल उठते हैं। ऐसा इसलिए कि जो लोग ह्यसुपर रिचह्न की श्रेणी में आ रहे हैं, वे असमानता दूर करने की दिशा में खास रुचि नहीं दिखाते। यह भी एक तथ्य है कि यह वर्ग भारतीय संसाधनों का इस्तेमाल करने के बाद ही करोड़पतियों की श्रेणी में आया है। करोड़पतियों के शहर बढने् चाहिए, लेकिन इस वर्ग को गरीब लोगों के लिए आय के अधिक साधन उपलब्ध कराने में मददगार बनना होगा, तब जाकर ही आर्थिक असमानता कम हो सकेगी।.

खानपान और गलत जीवन–शैली संबंधी बीमारियां सरकार के लिए बनी चिंता का विषय

सुषमा गौर

पिछले कुछ दशक में जीवन–शैली संबंधी बीमारियां सरकार के लिए चिंता का विषय बनती गई हैं। स्वास्थ्य और आहार विशेष निरंतर लोगों से अपनी जीवन–शैली में बदलाव लाने, आहार संबंधी सतर्कता बरतने का आह्वान करते रहे हैं, मगर उसका अपेक्षित असर नहीं देखा जाता। खासकर पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह लोगों की खानपान संबंधी आदतें बदली हैं, उससे कई नई तरह की बीमारियां पैदा हो रही हैं।

स्वास्थ्य संबंधी इन नई समस्याओं की गिरफ्त में बच्चों और युवाओं को अधिक देखा जा रहा है। मोटापा और मधुमेह अब युवाओं के बीच आम समस्या की तरह उभरे हैं। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद यानी आइसीएमआर ने अपनी एक रपट में खुलासा किया है कि 56.4 फीसद बीमारियां अस्वास्थ्यकर खानपान की वजह से होती हैं।

आइसीएमआर की तहत काम करने वाली संस्था राष्ट्रीय पोषण संस्थान यानी एनआइएन ने आहार संबंधी विवरण पेश करते हुए सत्रह ऐसे खाद्य पदार्थों की सूची जारी की है, जिनसे परहेज करके बीमारियों से दूर रहा और स्वास्थ्यकर जीवन बिताया जा सकता है। निश्चय ही इससे लोगों में अपने स्वास्थ्य को लेकर कुछ सतर्कता बढ़ेगी।

इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि खासकर शहरी और कस्बाई जीवन में खानपान की आदतें बहुत तेजी से बदली हैं। जबसे डिब्बाबंद और बने–बनाए भोज्य पदार्थों का बाजार बढ़ा है, तबसे खानेपीने के पारंपरिक नियम–कायदे छिन्न–भिन्न होने लगे हैं। बच्चों और युवाओं की जीभ पर बाजार का स्वाद अपना राज करने लगा है।

इसमें लोग भूल ही गए हैं कि क्या खाना सेहत की दृष्टि से उचित है और क्या अनुचित। खानेपीने का कोई तय समय भी नहीं रह गया है। इस तरह युवाओं के चयापचय पर बुरा असर पड़ा है, जिसका नतीजा उनमें बढ़ता मोटापा और उनके हृदय पर बढ़ता बोझ है। बहुत सारे कसरत करने वाले युवा, बिना सोचे–समझे प्रोटीन की खुराक लेते हैं, यह उनकी सेहत पर बहुत बुरा असर डाल रहा है।

इसे लेकर आइसीएमआर ने आगाह किया है। यह निश्चय ही चिंता का विषय है कि आधे से अधिक लोगों में बीमारियां केवल गलत खानपान की आदतों की वजह से पैदा हो रही हैं। इसके लिए जनजागरूकता बढ़ाना जरूरी है।

वीजा नियमों में बदलाव से छात्रों के सामने नई समस्या

अरूण शर्मा

हर वर्ष भारत से लाखों विद्यार्थी उच्च शिक्षा के लिए आस्ट्रेलिया, कनाडा, अमेरिका, ब्रिटेन आदि देशों में जाते हैं। कुछ समय पहले तक उन देशों में विदेशी छात्रों के लिए नियम–कायदों में ज्यादा सख्ती नहीं थी, इसलिए वहां जाने को लेकर एक आकर्षण रहा। मगर पिछले कुछ वर्षों में वैश्विक स्तर पर बदले कूटनीतिक समीकरण और पढ़ाई, रोजगार तथा अन्य वजहों से दूसरे देशों में ठौर खोजने वालों की बढ़ती भीड़ ने जो नई परिस्थिति पैदा की, उसमें उच्च शिक्षा का आकर्षण माने जाने वाले कुछ देशों ने अपने यहां वीजा नियमों में तेजी से तब्दीली की है।

अच्छी शिक्षा के लिए बाहर जाने वालों पर असर

नतीजतन, अब उन देशों में जाकर पढ़ाई करने का सपना पालने वाले युवाओं और उनके परिवारों के लिए हालात सहज नहीं रहने वाले हैं। दरअसल, आस्ट्रेलिया ने अब अपनी वीजा नीति में कुछ ऐसे सख्त मानदंड तय किए हैं, जिससे पढ़ाई के मकसद से वहां जाने वाले भारतीय विद्यार्थियों के सामने एक नई मुश्किल खड़ी हो गई है। नई नीति का असर ऐसे विद्यार्थियों पर भी पड़ने वाला है, जो वहां केवल अच्छी शिक्षा के लिए जाना चाहते हैं।दरअसल, आस्ट्रेलिया अपने वीजा नियमों को इसलिए सख्त बना रहा है कि वहां जाने वाले कई विदेशी युवा किसी शिक्षण संस्थान में दाखिला लेने के बाद वहीं कोई नौकरी भी शुरू कर देते हैं। इसे पढ़ाई के नाम पर नौकरी के लिए पिछले दरवाजे से प्रवेश के तौर पर देखा गया। इस तरह वहां जाने वालों की संख्या में जब ज्यादा बढ़ोतरी देखी गई तो आस्ट्रेलिया ने वार्षिक प्रवासन की संख्या घटा कर आधा कर दिया।

अंतिम मुहर

अरविंद केजरीवाल जेल से बाहर आते ही ताल ठोकने लगे हैं। वे भाजपा नेता एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की संभावनाओं पर संशय पैदा कर रहे हैं।उनकी तर्ज पर गारंटीमय हो रहे हैं। कल रविवार को उन्होंने लोक–लुभावनी 10 गारंटी दीं, वे भाजपा के लिए–खुद उनके लिए भी–तलवार की तेज धार होने वाली हैं। इनमें अन्यों की तरह ही कुछ अतिवाद हैं। जैसे चीन से जमीन लेना, दो करोड़ रोजगार देना और हर घर को बिजली एवं गरीबों को मुफ्त बिजली देने की घोषणा। पर यह कांग्रेस के घोषणापत्र के साथ मिलकर भाजपा का घेराव बनाती है।चुनाव प्रचार के जिस एकल ध्येय से सुप्रीम कोर्ट ने केजरीवाल को अंतरिम जमानत दी, उसमें वे धार दे रहे हैं। मोदी को उन्हीं की बोली–बानी और कार्यशैली में जवाब दे रहे हैं। तो क्या इसीलिए दिल्ली के मुख्यमंत्री को गिरफ्तार किया गया था ताकि वे गुजरात में विकल्प का अर्थ न बन सकें? वस्तुतः ऐसा है नहीं। स्वयं सुप्रीम कोर्ट ने भी उनकी गिरफ्तारी को वैध माना है। आबकारी मामले के मेरिट पर भी प्रतिकूल टिप्पणी नहीं की है। उनको दो जून को समर्पण का आदेश दिया है।जब यह सब है ही तो फिर अंतरिम जमानत क्यों? कोर्ट का कहना है कि वे आदतन अपराधी नहीं, चुने सीएम हैं, चुनाव पांच साल में आता है।

धमाकेदार ओपनिंग के बाद दूसरे ही दिन घटी थलपति विजय फिल्म द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम की कमाई

थलपति विजय और निर्देशक वेंकट प्रभु की द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम (गोट) ने अपने रिलीज के दिन 126.32 करोड़ की जबरदस्त कमाई के साथ बॉक्स ऑफिस पर खाता खोला था. जिसके बाद फिल्म ने अपने दूसरे दिन कमाई में भारी गिरावट देखी है. इसके बावजूद फिल्म का दो दिन का कलेक्शन 150 करोड़ के पार पहुंच गया है. आइए जानते हैं थलापति विजय की फिल्म ने दूसरे दिन बॉक्स ऑफिस पर कितनी कमाई की.

सैकनिल्क के अनुसार विजय की गोट ने पहले दिन के मुकाबले दूसरे दिन बॉक्स ऑफिस पर 43 प्रतिशत की गिरावट देखी. जी हां धमाकेदार ओपनिंग के बाद विजय की फिल्म ने भारी गिरावट देखी है. दूसरे दिन फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर भारत में 24.75 करोड़ की कमाई की है. इससे फिल्म की दो दिन की कमाई 68.75 करोड़ रुपये हो गई. शुक्रवार को फिल्म ने तमिल में 60.38 प्रतिशत की ऑक्यूपेंसी दर्ज की. फिल्म ने अपने पहले दिन भारत में 43 करोड़ का कलेक्शन किया था. वहीं वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर फिल्म ने 126. 32 करोड़ रुपये का जबरदस्त कलेक्शन किया था. गोट को 380 करोड़ रुपये के भारी बजट के साथ बनाया गया है.

गौरतलब है कि गोट का पहले दिन का वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस कलेक्शन विजय की 2023 में रिलीज होने वाली लियो से रहा. सेवन स्क्रीन स्टूडियो के मुताबिक लियो ने पहले दिन 148.5 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था. फिल्म को दर्शकों ने सराहा है और थलपति विजय की पिछली फिल्म में उनके परफॉर्मेंस की खूब तारीफ हुई है. अब देखना दिलचस्प होगा कि थलापति की फिल्म आने वाले दिनों में बॉक्स ऑफिस पर कैसा प्रदर्शन करती है.

वेंकट प्रभु द्वारा निर्देशित, गोट में विजय डबल रोल प्ले कर रहे हैं. उनके अलावा फिल्म में प्रशांत, प्रभुदेवा, मोहन, स्नेहा, जयराम, लैला, मीनाक्षी चौधरी और अजमल अमीर जैसे कलाकार शामिल हैं. गोट का म्यूजिक युवान शंकर राजा ने तैयार किया है.

प्रज्ञा जैसवाल का हॉट लुक देखकर छूटे फैंस के पसीने, एक्ट्रेस की अदाएं देख फैंस हुए फिदा

साउथ और बॉलीवुड इंडस्ट्री की हॉट एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल आए दिन अपनी लेटेस्ट तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर करती रहती हैं।

उनका बोल्ड और स्टनिंग अवतार इंटरनेट पर आते ही सुर्खियां बटौरता रहता है। हालिया शेयर की गई तस्वीरों में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है। एक बार फिर एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट स्टनिंग अंदाज से फैंस को दीवाना बना दिया है। इन तस्वीरों में उनका आउटफिट देखकर फैंस तारीफ करते नहीं थक रहे हैं।

अब हाल ही में एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका कातिलाना अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं।

एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल हमेशा अपने बोल्ड और स्टनिंग लुक्स से इंटरनेट पर कहर बरपाती रहती हैं। उनका हर एक लुक सोशल मीडिया पर शेयर होते ही लाइमलाइट बटौरने लगता है।

फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल ने व्हाइट कलर की शॉर्ट ड्रेस पहनी हुई है, जिसमें वो कातिलाना अंदाज में एक से बढ़कर एक किलर पोज देती हुई नजर आ रही हैं।

एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट करती हैं तो फैंस की निगाहें उन पर से हटने का नाम नहीं लेती है। हालांकि फैंस भी उनके लुक को काफी फॉलो करते हैं।

ओपन हेयर को वेवी स्टाइल में लुक देकर और साथ ही लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। उनके चेहरे पर प्यारी सी स्माइल ने उनके लुक पर चार चांद लगा दिया है।

प्रज्ञा जैसवाल की इन तस्वीरों पर लोगों ने कॉमेंट करते हुए सो प्रीटी, बेहद शानदार, यू लुक सो हॉट लिखा है। बता दें कि एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोज शेयर करती रहती हैं।

ध्रुव वायु स्टारर कलिंगा की रिलीज तारीख से उठा पर्दा

केरोसिन से पहचान बनाने वाले युवा अभिनेता ध्रुव वायु अपनी नई फिल्म कलिंगा के लिए निर्देशक की भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं। बिग हिट प्रोडक्शंस के तहत दीप्ति कोंडावीती और पृथ्वी यादव द्वारा निर्मित इस फिल्म में ध्रुव वायु मुख्य भूमिका में हैं और वर्तमान में पोस्ट–प्रोडक्शन में है। इसके टीजर ने अच्छी चर्चा बटोरी है, निर्माताओं ने 13 सितंबर, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज़ की तारीख की घोषणा की है। ध्रुव वायु ने फिल्म के प्री–रिलीज़ व्यवसाय के बंद होने पर अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि किसी भी तेलुगु फिल्म ने कलिंगा जैसा विषय नहीं छुआ है, और उन्हें विश्वास है कि यह अपनी रिलीज़ के बाद चर्चा का विषय बन जाएगी।

'हम यहां कभी वापस नहीं आएंगे', ऑ ने नोएडा स्टेडियम की सुविधाओं पर उठाए सवाल

नई दिल्ली। अफगानिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच एकमात्र टेस्ट मैच का दूसरा दिन भी खराब आउटफील्ड के चलते रद्द कर दिया गया। अब नोएडा क्रिकेट ग्राउंड की जमकर आलोचना हो रही है। गीली आउटफील्ड को सुखाने के लिए इलेक्ट्रिक फैन का इस्तेमाल किया गया। इसके बावजूद भी दूसरे दिन का खेल नहीं शुरू हो सका। अफगानिस्तान ने यहां तक कह दिया कि वह यहां दोबारा खेलने नहीं आएंगे।गौरतलब हो कि हाल के दिनों में अफगानिस्तान के घरेलू मैचों की मेजबानी भारत ही कर रहा है, लेकिन न्यूजीलैंड के खिलाफ एकमात्र टेस्ट के लिए बीसीसीआई ने अफगानिस्तान को ग्रेटर नोएडा क्रिकेट ग्राउंड को बतौर वेन्यू दिया है। इसी ग्राउंड पर एकमात्र टेस्ट मैच आयोजित किया गया है। ग्रेटर नोएडा इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी के अंतर्गत आने वाले इस स्टेडियम में बारिश का पानी निकालने की कोई व्यवस्था नहीं है।

अत्याधुनिक उपकरणों की कमी

बता दें कि 2017 के बाद से बीसीसीआई ने इस मैदान पर कोई मैच नहीं आयोजित किया था। अब क्रिकेट जगत में इस बात की आलोचना हो रही है कि अफगानिस्तान को ऐसा मैदान दे दिया गया, जिसकी किसी को जरूरत ही नहीं थी। मैदान के अलावा आधुनिक सुविधाओं का अभाव भी था, जिससे मैदान को सुखाने के लिए कोई अत्याधुनिक उपकरण नहीं मौजूद हैं। मैदान को इलेक्ट्रिक फैन से सुखाने की कोशिश की गई।

'हम यहां कभी वापस नहीं आएंगे'

एसीबी के एक अधिकारी ने पीटीआई से कहा, "यह बहुत बड़ी गड़बड़ी है, हम यहां कभी वापस नहीं आएंगे। खिलाड़ी भी यहां की सुविधाओं से नाखुश हैं। हमने संबंधित लोगों से पहले ही बात कर ली थी और स्टेडियम के लोगों ने हमें आश्वासन दिया था कि सब कुछ ठीक रहेगा, हालांकि यह टेस्ट विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप का हिस्सा नहीं है, लेकिन यह आईसीसी से संबद्ध टूर्नामेंट है।"

पाकिस्तान टेस्ट सीरीज के लिए इंग्लैंड की 17 सदस्यीय टीम घोषित

नई दिल्ली। इंग्लैंड ने पाकिस्तान के खिलाफ 3 मैच की टेस्ट सीरीज के लिए 17 सदस्यीय टीम की घोषणा की है। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने बेन स्टोक्स को टीम का कप्तान बनाया है। हैमस्ट्रिंग की वजह से बेन स्टोक्स श्रीलंका के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों की टेस्ट सीरीज का हिस्सा नहीं थे। हालांकि, वह अब अक्टूबर में शान मसूद की टीम के खिलाफ टेस्ट में कप्तानी करते हुए दिखाई देंगे।ऑफ स्पिनर जैक लीच ने भी चोट से लंबे समय बाद टेस्ट टीम में वापसी की है। लीच को भारत के खिलाफ हैदराबाद में पहले टेस्ट में घुटने में चोट लग गई थी। स्पिनर को हैदराबाद में पहले टेस्ट में फीलिंडग करते समय मैदान पर गेंद लगने से चोट लगी थी। वहीं, श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट डेब्यू करने वाले जोश हल को भी टीम में बरकरार रखा गया है।

सात तेज गेंदबाजों को मिली जगह

इंग्लैंड ने पाकिस्तान दौरे में अपने साथ 7 तेज गेंदबाजों को टीम में शामिल किया है। टीम में चार स्पिनर्स भी शामिल हैं, जिसमें रेहान अहमद के रूप में एक विशेषज्ञ लेग स्पिनर भी शामिल हैं।

पाकिस्तान के खिलाफ इंग्लैंड टेस्ट की टीम

बेन स्टोक्स (कप्तान), रेहान अहमद, गस एटकिंसन, शोएब बशीर, हैरी ब्रुक, ब्रायडन कार्स, जॉर्डन कॉक्स, जैक क्रॉली, बेन डकेट, जोश हल, जैक लीच, ओली पोप, मैथ्यू पॉट्स, जो रूट, जेमी स्मिथ, ओली स्टोन, क्रिस वोक्स

एक नजर

सरकारी योजनाओं की दी जानकारी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : गढ़वाल पूर्व सैनिक लीग की ओर से पूर्व सैनिक व सैनिक परिवारों को सरकार की ओर से चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी दी गई। इस दौरान अधिक से अधिक योजनाओं का लाभ उठाने की भी अपील की गई।

सनेह वार्ड नंबर तीन में सेवानिवृत्त कैप्टेन हंसवंत सिंह की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में तीस से अधिक गौरव सैनिक व वीर नारियों ने भाग लिया। बैठक में समस्याओं को सुनते हुए उनका निराकरण भी किया गया। इस मौके पर बुद्धि बल्लभ ध्यानी, दान सिंह नेगी, राम सिंह रावत आदि मौजूद रहे।

कठूड़ गांव में गुलदार पिंजरे में कैद, ग्रामीणों ने ली राहत की सांस

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : गढ़वाल वन प्रभाग पौड़ी से सटे कोट ब्लॉक के कठूड़ गांव स्थित एक खंडहर में घुसे गुलदार को वन विभाग की टीम ने देर रात रेस्क्यू कर पिंजरे में कैद कर लिया। गुलदार के पिंजरे में कैद होने से ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है। गुलदार की सक्रियता से ग्रामीणों में दहशत बनी हुई थी। बीते सोमवार को कोट ब्लॉक के कठूड़ गांव के बीचोंबीच खंडहर में गुलदार घुस गया था। जिसकी जानकारी वन विभाग को दी गई थी। देर शाम को वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और रात करीब 2 बजे गुलदार को रेस्क्यू कर पिंजरे में कैद किया। कठूड़ गांव निवासी आलोक चारू ने बताया कि बीते सोमवार की शाम को गांव के बीचोंबीच एक खंडहर बन चुके घर में गुलदार घुस गया। गुलदार के गांव में आने से ग्रामीणों में दहशत बनी हुई है। पौड़ी नागदेव रेंज के रेंजर दिनेश चंद्र नौटियाल ने बताया कि सूचना पर पूरी टीम मौके पर पहुंच गई है। देर रात को गुलदार को रेस्क्यू कर पिंजरे में कैद किया गया।

शांतिभंग के आरोप में दो गिरफ्तार

श्रीनगर गढ़वाल : कोतवाली कीर्तिनगर पुलिस ने दो व्यक्तियों को शांतिभंग में गिरफ्तार किया है। कीर्तिनगर कोतवाली के वरिष्ठ उपनिरीक्षक केएल आर्य ने बताया कि चौरास क्षेत्र में साइड न देने पर दोनों वाहन चालकों के बीच झड़प हो गई। इसी बीच वाहन ढलान पर होने के कारण कार सीधा जीवीके की झील में जा गिरी। जिसके बाद दोनों पक्षों के बीच कहासुनी और धक्का मुक्की हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शांतिभंग में दीपक सिंह बिष्ट और रघुवीर सिंह बिष्ट को गिरफ्तार किया है। बताया कि दोनों को न्यायालय में पेश किया जा रहा है। (एजेंसी)

38 ग्रामीण और लिंक सड़कें बंद होने से लोग परेशान

चमोली : चमोली जिले में मंगलवार को 38 ग्रामीण सड़कें और लिंक मोटर मार्ग बाधित होने से संबंधित क्षेत्रों के ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ा। सडकों पर मलबा, बोल्डर आने से यातायात प्रभावित रहा। बदरीनाथ हाईवे हनुमानचट्टी में सुबह 8.30 बजे बोल्डर और मलबा आने से बाधित रहा। बंद हाईवे 12.40 बजे सुचारू हो सका। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नन्द किशोर जोशी ने बताया बाधित सड़कों को खोलने का कार्य जारी है। बरसात के बाद अब चारधाम यात्रा में तेजी की सम्भावना है। जिलाधिकारी संदीप तिवारी ने सभी सड़क निर्माणदायी संस्थाओं को हाईवे समेत सभी बाधित सड़कों को सुचारू करने के निर्देश दिए हैं। डीएम ने कहा कि चारधाम यात्रा मार्ग पर भूस्खलन प्रभावित क्षेत्र एवं संवेदनशील स्थलों पर सड़क सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएं। बंद ग्रामीण सड़कों को निर्माणदायी संस्थाओं को तत्काल सुचारू करने के निर्देश दिए। चमोली जिले के दशोली ब्लॉक के दर्जनों गांव को जोड़ने वाली चमोली लासी सरतोली सड़क 3 माह से बंद पड़ी है। जिसके चलते ग्रामीण परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना विगत 3 माह से सड़क बंद है।

सत्यापन नहीं कराने पर 137 लोगों के काटे चालान

चमोली : चमोली जिले में 1 सितंबर से एक बृहद सत्यापन अभियान पुलिस अधीक्षक सर्वेश पंवार के निर्देशन ने आरंभ किया गया है। एसपी कार्यालय से मंगलवार को मिली जानकारी के अनुसार अभियान का उद्देश्य बाहरी व्यक्तियों, मजदूरों, किरायेदारों और फड़-फेरी वालों की पहचान और सत्यापन करना है। यह कदम जनपद में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने और संभावित अपराधियों की पहचान के लिए उठाया गया है। बताया अभियान की शुरुआत से अब तक 1062 लोगों का सत्यापन किया गया है।

मनमानी का आरोप, वाहन स्वामियों ने शुरू किया धरना

15 वर्ष की अवधि पूरी कर चुके वाहनों को हटाए जाने का विरोध

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : 15 वर्ष पूर्ण कर चुके वाहनों को जीएमओयू कंपनी से हटाए जाने का वाहन स्वामियों ने विरोध किया है। वाहन स्वामियों ने धरना देते हुए इसे मनमानी बताया। कहा कि ऐसे में वाहन स्वामियों के समक्ष आर्थिक संकट खड़ा हो जाएगा। जल्द मांग पूरी नहीं होने पर चक्काजाम की भी चेतावनी दी गई।

जीएमओयू परिसर में धरना देते वाहन स्वामी

मंगलवार को जीएमओयू बचाओ संघर्ष समिति के बैनर तले वाहन स्वामियों ने जीएमओयू कार्यालय में अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया है। साथ ही बुधवार को वाहन चालकों ने चक्का जाम करने का भी एलान किया है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि कंपनी ने 15 वर्ष पूर्ण करने वाले वाहनों को संचालन से बाहर कर दिया है, जबकि सरकार की ओर से रख-रखाव के आधार पर फिटनेस प्रमाणपत्र जारी किए जा रहे हैं। अन्य कंपनियों में भी 15 वर्ष पूर्ण करने वाले वाहनों का संचालन किया जा रहा है। कंपनी प्रशासन के मनमाने रवैए के कारण उनके वाहनों का संचालन नहीं होने से उन्हें आर्थिक तंगी से जूझना पड़ रहा है। प्रदर्शनकारियों ने कंपनी के वार्षिक चुनाव पूर्व की भांति मतदान से कराने, कोर्ट का निर्णय आने तक कंपनी संचालकों के चुनाव पर रोक लगाने, चुनाव समिति को भंग करने, कंपनी में पुराने वाहनों के संचालन पुनः शुरू करवाने, कंपनी में छोटे वाहनों के संचालन पर रोक लगाने, वाहन स्वामियों का दो प्रतिशत कमीशन वापस करने की मांग की। धरना देने वालों में सुरेंद्र सिंह रावत, हीरामणि सेमवाल, सत्यानंद भट्ट, कोमल सिंह, बलराम सिंह, सुखदेव सिंह, गणेश भट्ट, दीपक, मातबर सिंह रौथाण, सचितानंद, विनोद कुमार, दुर्गा प्रसाद, साबर सिंह शामिल रहे।

धर्म की मूल स्तम्भ है गौ माता : गोपालमणि

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : गोपाल गौलोक धाम सेवा संस्थान के तत्वावधान में पांच दिवसीय श्री राम कथा धेनुमानस गौ टीका के तृतीय दिन कथावाचक गोपालमणि ने गौ टीका बारे मे बताया।

गोविंद नगर स्थित एक बारात घर में कथा का वाचन करते हुए गोपाल मणि महाराज ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि हमारे धर्म की मूल स्तम्भ यानि जड़ गौ माता ही है। इसलिए सभी हिंदू पूरी निष्ठा से गौ माता की सेवा करें। सनातन धर्म सबसे पुराना है, इसमें गौ माता को सर्वश्रेष्ठ माना गया है। कहा कि गाय के दूध से बनी खीर से श्रीराम का जन्म हुआ था।

इसलिए राम का अवतार केवल भारत में गौ रक्षा के लिए हुआ था। उन्होंने बताया कि आज भारत में लोग रक्षक की जगह भक्षक हो गये। जिस गाय की सनातन धर्म में इतनी प्रतिष्ठा थी आज वह बेसहारा कूड़े कचरे पर अपना मुख मार रही है। गो माता घर की मालकिन थी वह

कथा करते गोपालमणि महाराज

आज भिखारी बनकर बैठी है। कथा प्रसंग में कहा कि जब गाय को हम उसकी सेवा करके प्रसन्न करते है, तब वह कामधेनु बनकर हमारी सभी की कामनाओं को पूर्ण करती है। रामायण पूरी गौ कथा है और यही कथा सबसे पुरानी है। इस मौके पर गोपाल कृष्ण अग्रवाल, गोपाल बंसल, महावीर सिंह रावत, राजेन्द्र जखमोला, कैलाश चन्द्र अग्रवाल, जसपाल सिंह रावत, गिरीश जखमोला, राजेंद्र पुरोहित, अनुसूया मुंडेपी, सर्वेश्वरी किमोठी, आशा बिंजौला, गीता बुड़ाकोटी, बृजपाल राजपूत, डीपी अग्रवाल, विजय कुमार माहेश्वरी, कांता प्रसाद, गोपाल बंसल, राधेश्याम शर्मा आदि मौजूद रहे।

स्वरोजगार से जुड़कर आर्थिकी मजबूत करें महिलाएं

जयन्त प्रतिनिधि।कोटद्वार : बीरोंखाल के अंतर्गत क्लस्टर लेवल फेडरेशन (सीएलएफ) न्याय पंचायत मेलधार की वार्षिक आमसभा में महिलाओं की आजीविका बढ़ाने से जुड़ी व्यावसायिक गतिविधियों पर चर्चा की गई। इस दौरान महिलाओं से स्वजरोजगार से जुड़कर अपनी आर्थिकी मजबूत करने की अपील की गई। जनता इंटर कॉलेज चौखाल में अध्यक्ष रजनी रावत की अध्यक्षता में आयोजित वार्षिक आमसभा का उद्घाटन मुख्य अतिथि जिला अध्यक्ष सहकारिता पौड़ी गढ़वाल नरेंद्र सिंह रावत एवं व विशिष्ट अतिथि ब्लॉक प्रमुख राजेश कंडारी, बीडीओ जयपाल सिंह ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। आमसभा में 11 ग्राम पंचायतों के 200 समूह सदस्य शामिल रहीं। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन की ब्लॉक मिशन प्रबंधक सुषमा बिष्ट ने न्याय पंचायत मेलधार में गठित स्वयं सहायता समूह, ग्राम संगठन व सीएलएफ में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन की ओर से अब तक दी गई धनराशि का ब्योरा रखा। एनआरएलएम के माध्यम से महिलाओं की आजीविका बढ़ाने के लिए की जा रहीं व्यावसायिक गतिविधियों में पापड़, धूपबत्ती, बुरांश का जूस, मडुवे के बिस्किट, नमकीन आदि के संबंध में तकनीकी और जरूरी जानकारी दी गई। इस अवसर पर विभिन्न स्वयं सहायता समूहों ने प्रतिभाग किया व अपने उत्पादों का स्टॉल भी लगाए। इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य विजयपाल बिष्ट, जिला पंचायत सदस्य अमर सिंह और मोहन सिंह आदि उपस्थित रहे।

28 सितंबर से होगा दो दिवसीय रिफ्रेशन कोर्स का आयोजन

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : गढ़वाल मोटर ट्रांसपोर्ट वर्कर्स यूनियन की तरफ से जीएमटी भवन में 28 सितंबर से दो दिवसीय रिफ्रेशन कोर्स का आयोजन किया जाएगा। साथ ही वाहन चालकों के लाइसेंसों का नवीनीकरण किया जाएगा।

यूनियन के अध्यक्ष संदीप अग्रवाल ने बताया कि छोटे व बड़े वाहन चालकों के लिए रिफ्रेशन कोर्स जरूरी है। सभी वाहन चालकों के लिए दो दिन की ट्रेनिंग करना आवश्यक है।

रिफ्रेशन कोर्स के बाद चालकों को पांच साल का फ्री बीमा भी प्रदान किया जाएगा। उन्होंने सभी चालकों से अपना लाइसेंस व आधार कार्ड की फोटोस्टेट जमा करवाने का आग्रह किया।

विद्यार्थियों को खिलाई एल्बेंडाजोल दवाई

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : राजकीय इंटर कालेज जयदेवपुर सिगड्डी में विद्यार्थियों को एल्बेंडाजोल की दवा वितरित की गई। इस दौरान शिक्षकों ने विद्यार्थियों को बेहतर स्वास्थ्य के प्रति भी जागरूक किया।

मंगलवार को राजकीय इंटर कालेज जयदेवपुर सिगड्डी के विद्यार्थियों को भी एल्वेंडाजोल की दवा दी गई। विद्यालय के प्रधानाचार्य शोबेंद्र जोशी ने कहा कि बच्चों को कुषोषण से मुक्ति दिलाने व रक्त की कमी को दूर करने के साथ ही पेट के कीड़ों को मारने के लिए दवा दी जाती है। क्षेत्र के अन्य विद्यालयों में भी बच्चों को पेट के कीड़े मारने की दवा दी गई। इस मौके पर गणित शिक्षक राजीव शर्मा, वीरेंद्र रावत, दीवान रावत, गजपाल रावत, सुनील खंतवाल, कंचन रावत आदि मौजूद रहे। वहीं, राजकीय महाविद्यायल कण्वघाटी सहित अन्य विद्यालयों में विद्यार्थियों को एल्बेंडाजोल

विद्यार्थियों को दवा देते शिक्षक

की दवा खिलाई गई। कृमि दिवस पर महाविद्यालय में एक आयुर्वेदिक स्वास्थ्य शिविर/जन जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। शिविर में राजकीय एलोपैथिक चिकित्सालय कलालघाटी आयुष विंग के डा. अजय सिंह नेगी ने विद्यार्थियों को दवा वितरित की। उन्होंने विद्यार्थियों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करते हुए मौसमी बीमारियों के प्रति भी

सदस्यता अभियान के साथ घर-घर पहुंचाएं भाजपा की विचारधार :भट्ट

कोटद्वार में आयोजित कार्यशाला को संबोधित करते हुए बोले प्रदेश अध्यक्ष

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट ने कहा कि केंद्र व प्रदेश सरकार आमजन के लिए कई कल्याणकारी योजनाएं चला रही है। वर्तमान में चल रहे सदस्यता अभियान को देखते हुए कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों को गंभीरता से कार्य करना होगा। कहा कि सदस्यता अभियान के साथ हमें घर-घर भाजपा की विचारधार को भी पहुंचाना होगा। उन्होंने पदाधिकारियों को प्रत्येक बूथ पर कम से कम दो सौ व्यक्तियों को सदस्यता दिलवाने की अपील की। मंगलवार को कोटद्वार के ग्रास्टनगंज में कार्यशाला को संबोधित करते हुए महेंद्र भट्ट ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता

कोटद्वार के ग्रास्टनगंज में कार्यशाला को संबोधित करते भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट

पार्टी एक विचार है। जो बेहतर सोच के साथ काम करती है। कहा कि वर्तमान में भारतीय जनता पार्टी की ओर से सदस्यता अभियान चलाया जा रहा है। भाजपा वह पार्टी है जिससे सबसे अधिक युवा व महिलाएं जुड़ी हैं। देश का हर व्यक्ति भाजपा की रीति-नीति को जानना चाहता है। इसके लिए हमें एकजुट होकर लोगों को पार्टी से जुड़ने के लिए प्रेरित करना होगा। कहा कि इस बार तीन प्रकार से भाजपा का सदस्यता अभियान चलाया जा रहा है। पहला मोबाइल फोन से मिस काल कर, दूसरा एप द्वारा व तीसरा आफलाइन फार्म भर कर पार्टी का सदस्य बना जा सकता है। हमारा लक्ष्य पार्टी से अधिक से अधिक लोगों को जोड़कर इसे दोबारा विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बनाना है। जिला अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह रावत ने कहा कि सदस्यता अभियान को सफल बनाने के लिए प्रत्येक कार्यकर्ता व पदाधिकारी को जिम्मेदारी दी गई है। इस मौके पर जिला संयोजक जगमोहन सिंह रावत, गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष पं. राजेंद्र अण्थ्वाल, मोहन सिंह नेगी, सुनीता कोटनाला, शैलेंद्र सिंह रावत, उमेश त्रिपाठी, सुमन कोटनाला, पंकज भाटिया, हरि सिंह पुंडीर, मनोज पांथरी, प्रकाश चंद ध्यानी, संजय रावत, जंग बहादुर सिंह रावत, विनोद रावत, राकेश देवरानी आदि मौजूद रहे।

छात्रों को नहीं मिल रहा नई शिक्षा नीति का लाभ

श्रीनगर गढ़वाल : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विवि में इंजीनियरिंग विभाग में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को नई शिक्षा नीति (एनईपी) का लाभ नहीं मिल पा रहा है। यहां छात्र लंबे समय से बीटेक द्वितीय वर्ष में अपना ट्रेड बदलना चाह रहे हैं, लेकिन विभाग इसकी अनुमति नहीं दे रहा है। जोकि नई शिक्षा नीति-2020 का खुला उल्लंघन है। इस संदर्भ में गढ़वाल विवि में आरटीआई भी दायर की गई है, लेकिन अभी तक विवि प्रशासन ने आरटीआई का जवाब नहीं दिया है।

बता दें कि पूरे देश में एनईपी वर्ष 2021 में लागू हो गई थी। जिसके प्रचार-प्रसार को लेकर सेमिनार सहित बड़े स्तर पर जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। लेकिन गढ़वाल विवि के बीटेक विभाग में अभी तक छात्रों को एनईपी का लाभ नहीं मिल पा रहा है। छात्र अपनी मनपंसद के विषयों को चयनित नहीं कर पा रहे हैं। पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष दिव्यांशु बहुगुणा और छात्रसंघ अध्यक्ष सुधांशु थपलियाल ने बताया कि गढ़वाल विवि के बीटेक विभाग की ओर से छात्रों को नई शिक्षा नीति के तहत पाठ्यक्रमों का लाभ नहीं दिया जा रहा है। बताया कि वर्ष 2015 में लागू सीबीसीएस पाठ्यक्रम के तहत बने नियमों को वर्ष 2021 में एनईपी लागू होते ही निरस्त कर दिया गया था। एनईपी लागू होते ही प्रवेश लेने वाले नए छात्रों के लिए बीटेक द्वितीय वर्ष में प्रवेश पर ट्रेड बदलने का विकल्प दिया गया है, लेकिन गढ़वाल विवि द्वारा नियम को दरकिनार कर छात्रों को अपने मनपंसदीदा विषय चुनने से वंचित रखा जा रहा है। (एजेंसी)

सेमी गांव को लिफ्ट सिंचाई योजना का लाभ न मिलने पर भड़के ग्रामीण

श्रीनगर गढ़वाल : विकासखंड कीर्तिनगर के न्याय पंचायत सेमी-सेमला में बन रही लिफ्ट सिंचाई योजना का लाभ सेमी गांव को न मिलने पर ग्रामीणों ने आक्रोश व्यक्त किया है। ग्रामीणों ने एसडीएम कीर्तिनगर को ज्ञापन देते हुए कहा कि यदि जल्द लिफ्ट सिंचाई योजना का लाभ नहीं मिला तो ग्रामीण आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। ज्ञापन में क्षेत्र पंचायत सदस्य कणोली मेघा बडोनी, ग्रामीण त्रिभुवन लखेडा, दयाराम बडोनी, राजेश बडोनी, भाष्करानंद बडोनी, पूर्णानंद बडोनी, शांति देवी, विमला देवी, अरुणा देवी, मीनाक्षी देवी ने कहा कि सेमी-सेमला में बन रही लिफ्ट सिंचाई योजना का लाभ ग्रामीणों को नहीं मिल पा रहा है। कहा कि योजना सेमी गांव से ही गुजर रही है, उसी गांव को ही योजना से वंचित रखा गया है। बताया कि 3 करोड़ 36 लाख रुपये की योजना से न्याय पंचायत सेमी-सेमला के कोलणा, धार, अकरी और न्यूली गांव की करीब 85 हेक्टेयर भूमि को सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध होना है। लेकिन योजना से सेमी गांव को ही वंचित रखा गया है। सेमी गांव के खेतों से ही लिफ्टिंग योजना की पाइप लाइनें गुजर रही हैं, लेकिन गांव में न तो किसी प्रकार का टैंक बनाया गया है और न ही खेतों के लिए कनेक्शन दिया गया है। जबकि सेमला, न्यूली में टैंकों का निर्माण हो चुका है। कहा कि यदि योजना का लाभ ग्रामीणों को नहीं मिलता है तो ग्रामीण आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। (एजेंसी)

महिला को सांप ने डसा

जयन्त प्रतिनिधि।

थलीसैंण : विकासखंड थलीसैंण के ग्राम रैली निवासी एक महिला को घास काटते हुए सांप ने डस लिया। महिला का प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र थलीसैंण में उपचार चल रहा है।

जानकारी के अनुसार ग्राम रैली निवासी सिंदूरी देवी पत्नी सते सिंह मवेशियों के लिए घास काटने गई थी। इसी दौरान सांप ने उसे काट लिया। परिजनों द्वारा उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र थलीसैंण की डॉक्टर अभिलाषा ने बताया कि सिंदूरी देवी को सांप ने काटा है। उनका उपचार चल रहा है। उन्होंने कहा कि सांप के काटने पर मरीज को तुरंत नजदीक अस्पताल में लायें। इस अवसर पर डॉक्टर श्रूति भट्ट भी मौजूद रही।

डूबी रकम वापस दिलवाने को धरना जारी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : ठगी पीड़ित जमाकर्ता परिवार के सदस्यों का धरना दसवें दिन भी जारी रहा। सदस्यों ने जल्द ठगी गई रकम वापस नहीं मिलने पर आंदोलन को तेज करने की चेतावनी दी है। कहा कि अनियमित जमा योजनाएं पाबंदी कानून (बड्स एक्ट)-2019 के तहत उनकी डूबी हुई रकम वापस दिलवाई जानी चाहिए।

तहसील परिसर में धरना देते हुए सदस्यों ने कहा कि भारत सरकार व राज्य सरकार ने देश के प्रत्येक ठगी पीड़ित जमाकर्ता परिवार की ठग कंपनियों और सोसाइटी में डूब चुकी रकम को 180 दिनों के भीतर वापस दिलाने के लिए बड्स एक्ट 2019 लागू किया है। इसके तहत जिलाधिकारियों को भुगतान

कोटद्वार तहसील में धरना देते ठगी पीड़ित जमाकर्ता परिवार के सदस्य

अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया है। लेकिन, पौड़ी जिले में अब तक भुगतान के लिए कोई कार्रवाई नहीं की गई है। बताया कि पीड़ित परिवार वर्षों से लगातार आंदोलन कर रहे हैं। बावजूद उनकी अनदेखी की जा रही है। कहा कि जब तक उनकी रकम वापस नहीं मिलती उनका आंदोलन जारी रहेगा। इस मौके पर सुखदेव शास्त्री, मुकेश चंद्र बड़थ्वाल, गजे सिंह रावत, राजेंद्र सिंह, कल्पना रावत, विजय लक्ष्मी, भागीरथी देवी, संतोषी आदि मौजूद रहे।

युवाओं को मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने की आवश्यकता

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : मंगलवार को स्वास्थ्य विभाग द्वारा विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस पर लेट्स टॉक कैंपेन थीम को लेकर मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय पौड़ी में गोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रवीण कुमार ने कहा कि व्यक्ति को अपनी इच्छाएं सीमित रखनी चाहिए एवं कार्य क्षेत्र में काम की अधिकता को एक अवसर की तरह लेना चाहिए न कि तनाव की तरह। उन्होंने कहा आज किशोर-किशोरियों को मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने की आवश्यकता हैं। उन्हें आत्महत्या जैसे विचारों की रोकथाम करते हुए उन्हें सकारात्मक विचारों हेतु प्रेरित किया जाना चाहिए।

गोष्ठी के दौरान मनोचिकित्सक डॉ. आशीष गुसाईं ने कहा कि दैनिक जीवन में तनाव हानिकारक हो सकता है, प्रत्येक व्यक्ति अपने कार्यक्षेत्र, घर परिवार, रिश्ते, बच्चे आदि किसी भी वजह से तनाव में आ सकता है। अधिक तनाव से शरीर पर हानिकारक प्रभाव होते हैं, जिनसे शारीरिक प्रभाव में वजन बढ़ाना, बाल झड़ना, उच्च रक्त ताप व मानसिक रूप से व्यक्ति मूड स्विंग, एंजायटी, डिप्रैशन एल्कोहल, ड्रग्स आदि का शिकार हो सकता है। उन्होंने इसके बचाव के लिए योगा, मेडिटेशन, ब्रीदिंग एक्सरसाइज, टॉक थेरेपी, काउंसलिंग वर्कआउट आदि की सलाह दी। उन्होंने बताया कि सुसाइड के हाई रिस्क कैटेगरी में 45 साल से अधिक उम्र के लोग, तलाकशुदा, बेरोजगार, लंबी बीमारी, निराशावादी, समाज से अलग रहने की इच्छा रखने वाले व्यक्तियों की सुसाइड करने की ज्यादा संभावना होती है ऐसे लोगों को आत्महत्या जैसे विचारों से उबारने के लिए जागरूकता व काउंसलिंग की अधिक आवश्यकता होती है। अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. रमेश कुंवर ने कहा कि यह माता-पिता की भी जिम्मेदारी है की वे अपने बच्चों को मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करें, यदि कोई युवा, किशोर, किशोरी परेशान है स्ट्रेस, गुमसुम, परीक्षा व परीक्षाफल के साथ ही नकारात्मक विचारों के दबाव में है तो उससे बात करिए उन्हें अपनी चिंता विचार साझा करने के लिए प्रेरित करें और उन्हें समझने व समझाने का प्रयास करें। इस मौके पर मनमोहन देवली, आशीष रावत, शिवांगी, राजीव रावत, मनीष भट्ट के साथ ही समस्त अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

गुणवत्तापरक शिक्षा पर दिया जोर

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : राजकीय इंटर कॉलेज कोचियार में अभिभावक शिक्षक संघ और विद्यालय प्रबंधन समिति की बैठक में गुणवत्तापरक शिक्षा पर जोर दिया। बैठक में निर्णय लिया गया कि शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए विद्यालय का सहयोग किया जाएगा। अभिभावक शिक्षक संघ और विद्यालय प्रबंधन समिति विद्यालय हित में कार्य करेगी।

मंगलवार को आयोजित बैठक में पीटीए अध्यक्ष सत्यपाल सिंह रावत ने पीटीए द्वारा विद्यालय में किए गए कार्यों की जानकारी दी। एसएमसी अध्यक्ष रघुवीर सिंह नेगी ने कहा कि स्कूल के सर्वांगीण विकास में अभिभावक, विद्यार्थी व शिक्षक तीनों की समान भागीदारी महत्वपूर्ण होती है। पूर्व ज्येष्ठ उप प्रमुख सुरेंद्र सिंह बिष्ट ने गुणवत्तापरक शिक्षा पर जोर दिया। इस दौरान सत्यपाल सिंह रावत को दोबारा पीटीए अध्यक्ष चुना गया। एसएमसी अध्यक्ष महिपाल पटवाल और उपाध्यक्ष महिपाल रावत को चुना गया। इस मौके पर चंद्रमोहन ध्यानी, दिनेश जोशी, मनमोहन सिंह रावत, विनोद डबराल, चंद्रमोहन सिंह नेगी आदि शामिल रहे।

एक नजर

पांच साल की बच्ची से छेड़छाड़ का मुकदमा हुआ दर्ज

हल्द्वानी। कोतवाली क्षेत्र में पांच साल की बच्ची से स्कूल के अंदर छेड़छाड़ मामले में पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ पॉक्सो में मुकदमा दर्ज कर लिया है। सोमवार को मामले में बच्ची से दुष्कर्म का आरोप लग रहा था। मेडिकल जांच में दुष्कर्म की पुष्टि नहीं हुई है। बच्ची की मां ने छेड़छाड़ का आरोप लगाते हुए तहरीर दी, जिस पर पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सोमवार की दोपहर करीब 12 बजे कोतवाली पहुंचे युवकों व छात्र नेताओं ने एक अशासकीय स्कूल के शिक्षक पर उसी स्कूल में पढ़ने वाली पांच साल की बच्ची से छेड़छाड़ व दुष्कर्म का आरोप लगाया था। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई शुरू की। शाम तक पुलिस और बाल कल्याण समिति की टीमें बच्ची से बातचीत करने की कोशिश करती रहीं, लेकिन डरी–सहमी बच्ची कुछ भी नहीं बता सकी। सोमवार रात पुलिस ने बच्ची का मेडिकल टेस्ट कराया, जिसमें दुष्कर्म की पुष्टि नहीं हुई। इसी दौरान पुलिस को ऑडियो रिकॉर्डिंग हाथ लगीं। जिसमें बच्ची अपने किसी परिचित को घटना की जानकारी देती हुई सुनाई दे रही थी। जानकारी के अनुसार ऑडियो में बच्ची ने स्कूल के ही किसी छात्र का जिक्र किया है। सीओ हल्द्वानी नितिन लोहनी ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। स्कूल के रिकॉर्ड और सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

जमीन दिलाने के नाम पर हड़पे दो करोड़ रुपये

विकासनगर। सहसपुर क्षेत्र में दो लोगों ने जमीन दिलाने के नाम पर पांच लोगों से दो करोड़ रुपये ले लिए। लेकिन आरोपी अब न तो जमीन दे रहे हैं और न ही पैसे वापस कर रहे हैं। शिकायत पर सहसपुर पुलिस ने दो लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थाना प्रभारी सहसपुर मुकेश त्यागी ने बताया कि नितिन बिजल्वाण निवासी अपर गढ़वाली कॉलोनी लाडपुर ने शिकायत दर्ज कराई है। बताया कि उनके साथी अमित कुमार कंडियाल निवासी डालनवाला, रोहित जैन निवासी इंजीनियर इंक्लेव, संजय सिंह राणा निवासी इन्द्रप्रस्थ कॉलोनी और सुनील सुमन निवासी तरला अधोईवाला की सुरेन्द्र निवासी आईआईपी संतोषनगर ने नितिन सैनी निवासी 19 प्रतीतपुर धर्मावाला और राजेन्द्र सिंह रावत निवासी नजदीक काली मंदिर हर्रावाला देहरादून से मुलाकात कराई। कहा कि यह लोग उन्हें अच्छी जमीन दिला देंगे। इसके बाद उन्होंने एक अनुबंध पत्र तैयार किया। इसमें पैसे और अन्य शर्तें तय की गई। इसके बाद नितिन सैनी तथा राजेन्द्र सिंह रावत ने उन्हें प्रतीतपुर, कल्याणपुर और फतेहपुर में 130 बीघा भूमि दिखाई। जो सभी को पसंद आ गई। इसके लिए उन्होंने अग्रिम धनराशि के रूप में दो करोड़ रुपये आरोपियों को दे दिए। लेकिन बार–बार कहने पर भी आरोपियों ने उन्हें जमीन उपलब्ध नहीं कराई और न ही वह पैसे वापस कर रहे हैं। एसओ ने बताया कि शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

छह राज्यों को 53 वन क्षेत्राधिकारी मिले

हल्द्वानी। उत्तराखंड वानिकी प्रशिक्षण अकादमी (एफटीआई) में मंगलवार को दीक्षांत समारोह हुआ। इसमें 6 राज्यों के 53 प्रशिक्षणार्थी 18 माह की ट्रेनिंग पूरी करने के वन क्षेत्राधिकारी बन गए हैं। पासिंग आउट परेड के बाद उन्हें प्रमाण पत्र दिए गए। जिसमें 12 को विशिष्ट योग्यता प्रमाण पत्र से नवाजा गया। मंगलवार को आयोजित दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि प्रमुख वन संरक्षक वन्यजीव डॉ. समीर सिन्हा रहे। उन्होंने ट्रेनिंग पूर्ण करने वाले अफसरों को जंगलात की नौकरी के बारे में विस्तार से बताया। कहा विषम हालातों में भी जंगल की नौकरी होगी। उन्होंने कहा कि आपको नेचर बचाने का जिम्मा मिला है।

पंडित गोविंद बल्लभ पंत की जयंती मनाई

हल्द्वानी। पंडित गोविंद बल्लभ पंत की जयंती समारोह मनाया गया। मंगलवार को नगर पालिका सभागार में कार्यक्रम का शुभारंभ व्यवसायी कमल त्रिपाठी ने दीप जलाकर किया। वक्ताओं ने पंडित पंत के जीवन से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि उन्हें पहाड़ से लगाव था इसलिए उन्हें आज भी याद रखा जाता है।

वह हर लोगों के दिल मे बसे हैं। कार्यक्रम संयोजक देवी दत्त दानी ने कहा कि पंडित पंत के जीवन संघर्ष और देश के प्रति उनके योगदान से भावी पीढ़ियों को अवगत कराना होगा।

डीएम कर्मेन्द्र सिंह ने की जिला योजना, स्टेट सेक्टर तथा केन्द्र पोषित व बाह्य सहायतित योजनाओं की विभागवार समीक्षा

हरिद्वार। जिलाधिकारी कर्मेन्द्र सिंह ने मंगलवार को विकास भवन सभागार में जिला योजना, स्टेट सेक्टर तथा केन्द्र पोषित व बाह्य सहायतित योजनाओं की विभागवार समीक्षा की। जिलाधिकारी ने निर्माण एजेंसियों की समीक्षा के दौरान निर्देश दिये कि निर्माण कार्यों को गुणवत्तायुक्त तथा समयबद्धता से पूर्ण किया जाये। जिन योजनाओं के टैण्डर अभी तक नहीं हुए हैं, उनकी टैण्डर प्रक्रिया के साथ ही सभी कागजी कार्यवाही सितम्बर माह के अन्त तक पूर्ण करना सुनिश्चित करें। जिनकी टैण्डर प्रक्रिया पूरी हो चुकी है, उनके वर्क ऑर्डर जारी किये जाये तथा कार्य शीघ्रता से प्रारम्भ किये जाये। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि जिस योजना एवं मद में धनराशि आवंटित की गई है, उसी मद में धनराशि का सदुपयोग किया जाये। उन्होने सभी अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि बजट का समय से सदुपयोग करते हुए खर्च किया जाये। बीस सूत्रीय कार्यक्रम के अन्तर्गत संचालित कार्यों में प्रगति लाई जाये तथा कार्यों में तेजी लाते हुए जनपद को सभी कार्यक्रमों में ए श्रेणी में लाया जाए। जिला सेक्टर में (लाख रू0 में) 6735.59 में से 1320.85 व्यय किए, राज्य सेक्टर 38578.86 में से 15355.03 वयय किए, केन्द्र पोषित 33195.03 मे से 11115.20 व्यय किए तथा वाह्य सहायतित 5437.28 में से 377.91 व्यय किए जा चुके है। जिनका कुल योग 83946.76 लाख रू0 में से 25168.99 लाख रू0 व्यय किए जा चुके हैं अवमुक्त धनराशि के सापेक्ष 59.69 प्रतिशत व्यय किए जा चुके हैं। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी आकांक्षा कोण्डे, डीएफओ वैभव सिंह, परियोजना निदेशक केएन तिवारी, जिला विकास अधिकारी वेद प्रकाश, मुख्य शिक्षा अधिकारी केके गुप्ता, जिला पंचायतराज अधिकारी अतुल प्रताप सिंह, जिला अर्थ संख्या अधिकारी नलिनी ध्यानी, सहा. अर्थ संख्याधिकारी सुभाष शाक्य सहित जनपद के विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

ठेकेदारों का लोनिवि कार्यालय में प्रदर्शन

ऋषिकेश। ठेकेदार वेलफेयर सोसाइटी ऋषिकेश ने ठेकेदारी पंजीकरण प्रक्रिया को सरल करने समेत विभिन्न मांगों को लेकर पीडब्ल्यूडी कार्यालय पर प्रदर्शन किया। उन्होंने सीएम पुष्कर सिंह धामी को ज्ञापन भेज शीघ्र समस्याओं के समाधान की मांग की। चेताया कि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। मंगलवार को वेलफेयर सोसाइटी ऋषिकेश के अध्यक्ष वीकेश सैनी के नेतृत्व में पंजीकृत ठेकेदार रेलवे रोड स्थित पीडब्ल्यूडी कार्यालय के बाहर एकत्रित हुए। यहां उन्होंने सांकेतिक धरना प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि विभाग की मनमानी का खामियाजा उन्हें भुगतना पड़ रहा है। विभाग से सार्वजनिक कार्य के एवज में सालों तक ठेकेदारों को भुगतान नहीं होने से आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। उन्होंने एक स्वर में विभाग द्वारा ठेकेदारों के भुगतान की समय सीमा निश्चित करने की मांग उठाई। इस दौरान सात सूत्रीय मांग पत्र रॉयल्टी न काटकर ठेकेदारों से रेत, बजरी के बिल की कॉपी मांगने, छोटी–छोटी निविदाओं की निविदा अलग–अलग निकाले जाने, ठेकेदारों के बिल भुगतान का कार्य विभागीय कर्मचारी से करवाने, बिल प्रक्रिया ऑनलाइन करने, विभागीय दर विश्लेषण प्रतिवर्ष मार्केट रेट के अनुसार करने आदि की मांग को लेकर लोनिवि के वरिष्ठ लिपिक के जरिए सीएम पुष्कर सिंह धामी को ज्ञापन भेजा। प्रदर्शन करने वालों में अमरीश गर्ग, रमेश रांगड़, गौतम राणा, दीपक सिंह, आरएस रांगड, सत्येंद्र कुमार, रूपेंद्र आदि शामिल रहे।

अतिक्रमण की चपेट में एम्स रोड, जोखिम में लोगों की जान

ऋषिकेश। शहर की व्यस्ततम और संवेदनशील एम्स रोड अतिक्रमण की चपेट में है। सड़क की जड़ में ठेली–खोखे डालकर दुकानें चल रही हैं। शिवाजीनगर तिराहा सवारी वाहनों का अड्डा बना हुआ है, जिससे न सिर्फ यहां इलाज को पहुंचने वाले मरीजों को दिक्कत हो रही है, बल्कि एंबुलेंस के भी कई दफा अतिक्रमण से जाम के चलते गंभीर किस्म के मरीजों की जान को भी खतरा बना हुआ है। हैरानी है कि अतिक्रमण से चंद कदमों की दूरी पर एम्स में पुलिस की चौकी है, जिसमें प्रभारी के साथ कई पुलिसकर्मी भी तैनात हैं, लेकिन न तो यह पुलिसकर्मी यातायात और न ही अतिक्रमण हटाने को लेकर कोई कार्रवाई करते दिख रहे हैं। जिम्मेदार नगर निगम और पीडब्ल्यूडी भी सड़क पर अतिक्रमण से मुंह फेरे नजर आ रहा है। अनदेखी से व्यस्ततम मार्ग पर सुबह से लेकर रात तक सवारी वाहनों के जमावड़े, अतिक्रमण और अवैध पार्किंग से अराजक माहौल बना हुआ है। स्थिति यह है कि एम्स से आने–जाने वाली एंबुलेंस भी कई बार अतिक्रमण और शिवाजीनगर तिराहे पर सवारी वाहनों के जमावड़े में फंस चुकी है। बावजूद, विभागीय अधिकारी कार्रवाई को तैयार नहीं दिख रहे हैं।

तिराहे से लेकर बैराज तक अवैध पार्किंगः अमूमन सड़कों के किनारे फुटपाथ पैदल चलने के लिए होता है, लेकिन एम्स रोड पर यह फुटपाथ वाहनों की अवैध पार्किंग बना हुआ है, जिससे एम्स में आसपास आने–जाने वाले पैदल लोगों को मजबूरन पक्की सड़क पर चलना पड़ रहा है। इससे हरवक्त मार्ग दुर्घटना का खतरा बना हुआ है। कई दफा यहां हादसे भी हो चुके हैं, लेकिन पुलिस प्रशासन अवैध पार्किंग हटाने के लिए अभीतक कोई कार्रवाई करता नजर नहीं आया है।

एम्स रोड पर ज्यादातर अतिक्रमण अस्थायी है। इस बाबत कार्रवाई के लिए कई दफा स्थानीय प्रशासन और नगर निगम को पत्र दिया गया है। कार्रवाई इन्हीं की स्तर की जानी है। फिर से कार्रवाई के लिए पत्र भेजा जा रहा है। – बीएन द्विवेदी, ईई, पीडब्ल्यूडी, ऋषिकेश

वर्तमान समय में तेजी से बढ़ रहे आत्महत्या के मामले

ऋषिकेश। जौलीग्रांट में विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस पर जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान अस्पताल में आने वाले लोगों को नाटक व पोस्टर के माध्यम से बढ़ती आत्महत्या की प्रवृत्ति की पहचान कर इसकी रोकथाम पर जानकारी दी गयी। मंगलवार को हिमालयन हॉस्पिटल जौलीग्रांट के क्लिनिकल मनोविज्ञान विभाग (पीडीसीपी प्रशिक्षु) की ओर से आत्महत्या पर बातचीत को बदलें और बातचीत शुरू करें विषय पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गये। विभागाध्यक्ष डॉ. मालिनी श्रीवास्तव ने कहा कि वर्तमान में दुनिया भर में आत्महत्या के मामले तेजी से बढ़ रहे है। आत्महत्या एक प्रमुख मुद्दा है, जिसे समाज से निकालने के लिए लंबे समय से कई तरह की कोशिशें की जा रही हैं। उन्होंने आत्महत्या को रोकने, आत्महत्या से सम्बंधित स्टिग्मा को कम करने और खुलकर बातचीत को प्रोत्साहित करने के महत्व के बारे में जानकारी दी। माहजबी, रश्मि, रेखा सील, शहाना, नितिका के निर्देशन में छात्र–छात्राओं ने नाटक के माध्यम से आत्महत्या के कारण व उसकी पहचान कर हमे कैसे किसी की मदद कर सकते है इसको दर्शाया। इस अलावा रिबन वितरण, पोस्टर प्रदर्शनी और प्रतिज्ञा की दीवार जैसी विभिन्न गतिविधियों का आयोजन कर लोगों को जागरूक किया गया। वहीं दूसरी ओर नैदानिक मनोविज्ञान के पीएचडी शोधार्थी रूही जैन व कृति मिश्रा ने मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम में कालसी के एकलव्या स्कूल एवं बहदराबाद के राजकीय इण्टर कॉलेज के करीब 260 विद्यार्थियों को आत्महत्या के पूर्व के लक्षणों की पहचान के बारे में बताया।

जयंती पर जीबी पंत को याद किया

हल्द्वानी। लालकुआं व बिंदुखत्ता में भारत रत्न पं. गोविंद बल्लभ पंत को उनकी 137वीं जयंती पर याद किया गया। नगर पंचायत सभागार में आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अथिति पूर्व कैबिनेट मंत्री गोविन्द सिंह बिष्ट व क्षेत्र के गणमान्य लोगों ने उनके चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित कर उनके बताए मार्ग पर चलने का आह्वान किया। इस अवसर पर विभिन्न स्कूलों के बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये, जिन्हें पुरस्कृत भी किया गया।

इस मौके पर संजय अरोड़ा, संजीव शर्मा, बॉबी संभल, नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी राहुल कुमार सिंह, भाजपा मंडल अध्यक्ष धन सिंह बिष्ट, व्यापार मंडल अध्यक्ष दीवान सिंह बिष्ट, निवर्तमान चेयरमैन लालचंद्र सिंह आदि रहे। सभी स्कूली बच्चों को पुरस्कृत भी किया गया।

पंत का जीवन देश एवं जन सेवा को समर्पित थाः डीएम

हरिद्वार। भारत रत्न पं.गोविन्द बल्लभ पन्त की जयन्ती पूरे जनपद में पूर्ण हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। जिला कार्यालय में जिलाधिकारी कर्मेन्द्र सिंह, अपर जिलाधिकारी दीपेन्द्र सिंह नेगी, उप जिलाधिकारी मनीष सिंह ने पं.गोविन्द बल्लभ पन्त की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया जबकि पन्त पार्क में जिलाधिकारी कर्मेन्द्र सिंह, अपर जिलाधिकारी दीपेन्द्र सिंह नेगी, सिटी मजिस्ट्रेट कुश्म चौहान, उप जिलाधिकारी मनीष सिंह सहित अन्य अधिकारियों ने पन्त जी की मूर्ति पर माल्यार्ण किया तथा एक पेड़ मां के नाम से पौधा रोपण किया। अस अवसर पर जिलाधिकारी ने भारत रत्न पं.गोविन्द बल्लभ पन्त को नमन करते हुए कहा कि पण्डित गोविन्द बल्लभ पन्त महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, देश भक्त, समाज सेवी तथा कुशल प्रशासक थे। डीएम ने कहा कि पन्त जी का जीवन देश एवं जन सेवा को समर्पित था। उन्होंने समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए सामाजिक क्षेत्र में बढ़–चढ़कर भाग लिया और दृढ़ निश्चय एवं आत्म विश्वास के साथ देश की सेवा की। इसके साथ ही पन्त पार्क में सिटी मजिस्ट्रेट कुश्म चौहान सहित अन्य अधिकारियों के साथ एक पेड़ मां के नाम से पौधरोपण किया। इस दौरान अपर मुख्य नगर आयुक्त वरुण चौधरी आदि मौजूद रहे। इधर जयंती के मौके पर ऋषिकुल आयुर्वेदिक राजकीय महाविद्यालय में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का शुभारंभ डीएम कमेंद्र सिंह ने किया। कार्यक्रम में विभिन्न स्कूलों के छात्रं ने पंजाबी तथा पहाड़ी गीतों पर शानदार प्रस्तुति दी।

महापुरुषों के जीवन से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ें

हरिद्वार। जनरल शाहनवाज हाईस्कूल ऐंथल में मंगलवार को भारत रत्न पंडित गोविंद बल्लभ पंत की 137 वी जयंती धूमधाम से मनाई गई ' प्रधानाचार्य और शिक्षकों ने पंडित पंत की मूर्ति पर पुष्प अर्पित कर उन्हें याद किया गया। प्रधानाचार्य गजेंद्र सिंघल ने पंडित गोविंद बल्लभ पंत के जीवन पर प्रकाश डाला। कहा कि हमें महापुरुषों को आदर्श मानकर जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा लेनी चाहिए। साथ ही उनके सिद्धांतों पर चलना चाहिए। छात्र–छात्राओं के बीच निबंध प्रतियोगिता भी कराई गई। इसमें अव्वल छात्रों को प्रधानाचार्य सम्मानित करेंगे। सभी छात्रों को कृमि मुक्ति कार्यक्रम के तहत अल्बेंडाजोल की टेबलेट भी खिलाई गई। इस अवसर पर डॉ. सतीश सैनी, जितेंद्र चौधरी, सलेख चंद, विनोद जोशी, बबीता चौहान, पॉपिंन्द्र कुमार आदि मौजूद रहे।

पोस्टर प्रतियोगिता में राहुल और अनुज ने मारी बाजी

विकासनगर। आशा राम वैदिक इंटर कॉलेज विकासनगर में राष्ट्रीय सेवा योजना एवं जिला तंबाकू नियंत्रण प्रकोष्ठ के सहयोग से तंबाकू निषेध एवं उससे होने वाली हानिकारक बीमारियों से संबंधित पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के सीनियर वर्ग में 12वीं के छात्र राहुल चौहान और जूनियर वर्ग में नौवीं के छात्र अनुज ने प्रथम स्थान हासिल किया। इस दौरान स्वयंसेवियों ने तंबाकू के प्रयोग से होने वाले शारीरिक नुकसान पोस्टर के माध्यम से प्रस्तुत किए। प्रधानाचार्य अनिल सिंह नेगी ने छात्रों को बताया कि किस प्रकार यदि गर्भवती महिलाएं तंबाकू का सेवन करती है, तो इससे उनके बच्चे पर इसका दुष्प्रभाव पड़ता है। ब्रेस्ट कैंसर, जल्दी बुढ़ापा आ जाना, हड्डियों का कमजोर होना आदि बीमारियां घेर लेती है।

जिलाधिकारी ने कुष्ठ रोगियों के साथ बिताया समय

हरिद्वार, डीएम कर्मेन्द्र सिंह ने भारत रत्न पं.गोविन्द बल्लभ पन्त की जयन्ती पर चिदानन्द कुष्ठ आश्रम में कुष्ठ रोगियों के साथ आधा घंटा बिताया और रोगियों की समस्याएं सुनी। उन्होंने रोगियों के चिकित्सा तथा सुविधाओं के बारे में जानकारी लेकर अधिकारियों को निर्देश दिए। बताया कि कुष्ठ रोगियों के साथ समय बिताने से उनके प्रति समाज में जागरूकता आएगी तथा गलत धारणाएं दूर करने में मदद मिलेगी। स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि कुष्ठ रोग असाध्य बीमारी नहीं है, समय से इलाज मिलने पर छः माह से एक वर्ष के भीतर रोगी आसानी से सही हो सकता है।

रास्ते में मलबा और पत्थर डंप करने की एसडीएम से शिकायत

विकासनगर। तहसील के ग्राम छुटऊके ग्रामीणों ने मंगलवार को उपजिलाधिकारी और थानाध्यक्ष चकराता को एक ज्ञापन सौंप कर गांव के रास्तों और प्राकृतिक स्रोत के समीप एक व्यक्ति द्वारा मलबा और पत्थर डाले जाने की शिकायत करते हुए कार्रवाई की मांग की है। उपजिलाधिकारी और थानाध्यक्ष चकराता को सौंपे ज्ञापन में ग्रामीणों ने बताया कि राजकीय इंटर कालेज चकराता में तैनात एक शिक्षक ने पेयजल स्रोत, रास्तों व छानियों के पास मलबा और पत्थर डंप करा दिए हैं। इस मलबे और पत्थरों के कारण गांव के जलस्रोत, पाइपलाइन, पशु चराई और कृषि भूमि को भारी नुकसान हो रहा है। बताया कि ग्रामीणों ने पूर्व में भी इस समस्या को लेकर प्रशासन से शिकायत की थी, जिस पर तत्कालीन उपजिलाधिकारी ने कार्रवाई करते हुए मामले का समाधान करा दिया था। इसके बाद बीते आठ सितंबर को फिर से चोरी छिपे रात के समय दोबारा मलबा डाल दिया। मलबा बारिश से बहकर ग्रामीणों के खेतों में जा सकता है, इससे फसलों और खेतों को नुकसान होग। ग्रामीणों ने मलबा डालने वाले के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। ज्ञापन सौंपने वालों में ग्राम प्रधान जयदत्त, राजेंद्र जोशी, अर्जुन दत्त, केशव दत्त, रणवीर सिंह, विरेंद्र, अनिल जोशी, लाखीराम जोशी, कपिल जोशी, केशवानंद, धनी दास, साईबू, विद्यादत्त, रिंकेश, फकीरा, गोपाल, रणवीर, सुशील, खजान सिंह, मनीराम आदि शामिल रहे।

ऋषिकेश में रिमझिम बारिश से मौसम में ठंडक

ऋषिकेश। ऋषिनगरी में मंगलवार शाम से रिमझिम फुहारें बरसने लगीं, जिसके चलते मौसम में ठंडक आ गई। बीते कुछ दिनों से लोग उमसभरी गर्मी से बेहाल थे। बारिश होने से उन्हें राहत मिली। मंगलवार को अधिकतम तापमान 31 डिग्री और न्यूनतम 26 डिग्री सेल्सियस रहा। मंगलवार को दोपहर तक लोग उमसभरी गरमी से बेहाल थे, लेकिन दोपहर बाद आसमान में बादल छाने का सिलसिला शुरू होने लगा। शाम करीब चार बजे से रिमझिम बारिश शुरू हो गई। जिससे मौसम में ठंडक का अहसास होने लगा। बारिश के चलते शहर में खरीददारी को आये लोग भीगे। जबकि दुपहिया वाहनों की रफ्तार सड़कों पर धीमी पड़ गई। बीते एक सप्ताह से ऋषिकेश से सटे इलाकों में बारिश हो रही थी। लेकिन शहर में बारिश न होने से लोग गरमी से परेशान थे।

फरार दुग्ध संघ अध्यक्ष मुकेश बोरा की कुर्क हो सकती है संपत्ति

हल्द्वानी। दुष्कर्म और पॉक्सो ऐक्ट के आरोपी भाजपा से निष्कासित एवं नैनीताल–लालकुआं दुग्ध संघ के अध्यक्ष मुकेश बोरा के खिलाफ पुलिस का शिकंजा कसता जा रहा है। मुकदमा दर्ज होने के बाद भी पुलिस अभी तक गिरफ्तार नहीं कर पाई है।

ऐसे में पुलिस ने अब संपत्ति कुर्क की तैयारी शुरू कर दी है। कोर्ट से अनुमति मिलने के बाद 82 का नोटिस भेजकर मुनादी कराने की प्रक्रिया कराई जाएगी। बीते रविवार को लालकुआं थाने में नैनीताल–लालकुआं दुग्ध संघ अध्यक्ष मुकेश बोरा के खिलाफ दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज किया था। इसके दो दिन बाद दुष्कर्म पीड़िता की बेटी के बयानों के आधार पर मुकदमे में पॉक्सो एक्ट की धारा भी बढ़ाई गई थी। इस बात को एक सप्ताह से ज्यादा समय बीत चुका है, लेकिन अभी तक पुलिस आरोपी मुकेश बोरा और दूसरे नामजद आरोपी ड्राइवर को गिरफ्तार नहीं कर पाई है। अब पुलिस फरार आरोपी मुकेश बोरा के खिलाफ संपत्ति कुर्क की कार्रवाई करने की तैयारी में है।

विकासनगर में 81 हजार से अधिक बच्चों को कृमि रोधी दवा खिलाई गई

विकासनगर। राष्ट्रीय कृमि मुक्ति अभियान के तहत मंगलवार को ब्लॉक क्षेत्र के सभी शासकीय, अशासकीय व गैर सरकारी विद्यालयों के छात्र–छात्राओं समेत आंगनबाड़ी केंद्रों में पंजीकृत नौनिहालों को कृमि रोधी दवा खिलाई गई। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के कर्मचारियों के साथ मिलकर शिक्षकों ने सभी विद्यालयों में छात्र–छात्राओं को एलबेंडाजोल की गोलियां खिलाईं। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के ब्लॉक प्रोजेक्ट मैनेजर ने बताया कि आंगनबाड़ी केंद्रों समेत सभी शिक्षण संस्थानों में कुल 81 हजार 250 बच्चों को कृमिरोधी दवा खिलाई गई। ब्लॉक प्रोजेक्ट मैनेजर प्रमोद नेगी ने बताया कि राष्ट्रीय स्तर पर चलने वाले इस अभियान का उद्देश्य नौनिहालों को कुपोषण से मुक्त रखकर स्वस्थ भारत का निर्माण करना है। खासकर सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत नौनिहालों को कृमि रोधी दवाई देकर उनके अभिभावकों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना भी है। बताया कि जिन छात्रों को किसी कारणवश दवा नहीं दी गई, उन्हें अन्य नियत दिन पर दवा देना सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि आंगनबाड़ी केंद्रों में 10 हजार नौनिहालों को दवा खिलाई गई। जबकि ब्लॉक के सभी शासकीय, अशासकीय और गैर सरकारी शिक्षण संस्थानों में करीब 71 हजार 250 छात्र–छात्राओं को कृमि रोधी दवा खिलाई गई। सबसे अधिक विकासनगर संकुल में 15 हजार छात्र–छात्राओं और सबसे कम लांघा संकुल में 750 छात्र–छात्राओं ने दवा खाई। उधर, उप जिला चिकित्सालय के सीएमएस डॉ. विजय सिंह ने बताया कि जिन बच्चों ने किसी कारणवश मंगलवार को कृमि रोधी दवा नहीं खाई है, उन्हें जल्द ही दवाई खिलाई जाएगी।

खेड़ापति महाराज के जयकारों से गूंजा चकराता का छावनी बाजार

विकासनगर। छावनी बाजार के स्वयंभू चिंताहरण महादेव मंदिर परिसर स्थित खेड़ापति महाराज (नगर देवता) मंदिर में मंगलवार को वार्षिक खेड़ा पूजन किया गया। खेड़ापति महाराज की ढोल, बाजों और घोष के साथ नगर परिक्रमा कराई गई। इसके बाद मंदिर परिसर में भंडारे का आयोजन भी किया गया। पूजन में छावनी वासियों और ग्रामीणों ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया मंगलवार को छावनी बाजार स्थित स्वयभू चिंताहरण महादेव मंदिर परिसर में स्थित खेडापति महाराज मंदिर में सुबह शहर की सुख समृद्धि की कामना के लिए शांति यज्ञ का आयोजन किया गया। उज्जैन से आए स्वामी त्रिवेणी गिरी महाराज, मंदिर के सिद्धेश्वर गिरी महाराज, पंडित राम पाठक ने विधि विधान से मंत्रोच्चरण के बीच सुबह खेड़ापति महाराज को स्नान के बाद नए वस्त्र धारण कराए। पूजन के बाद मंदिर में विश्व शांति यज्ञ का आयोजन कर सर्व समाज की सुख–समृद्धि की कामना की गई। यज्ञ पूजन के बाद मंदिर परिसर से ढोल और बैंड–बाजों के साथ खेड़ापति महाराज की शोभा यात्रा आरंभ हुई। यात्रा में शामिल श्रद्धालु हाथों में धर्मध्वजा लिए खेड़ा महाराज के स्वरूप को अपने सिर पर उठाकर चल रहे थे। शोभायात्रा शहीद चौक, वीर केसरी मार्केट, सदर बाजार, चौक बाजार, तहसील मार्ग से होते हुए मंदिर परिसर में पहुंच कर सपन्न हुई।

शोभा यात्रा मार्ग पर पड़ने वाले क्षेत्र के सभी मंदिरों में पूजन किया गया। शोभा यात्रा में राजेश्वर वर्मा, अनूप चौरसिया, सन्नी आनंद, श्याम वोरा, अनिल, नीलम वर्मा, संगीता जैन, ममता चांदना, पवन आनंद समेत सैकड़ों श्रद्धालु शामिल रहे।

जयन्त
संस्थापक
नरेन्द्र उनियाल
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक और सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
द्वारा जयन्त प्रकाशन डिग्री कॉलेज रोड़, जौनपुर कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा जयन्त कार्यालय चन्द्रसिंह गढ़वाली मार्ग, गैरसैंण, जनपद चमोली उत्तराखण्ड से प्रकाशित
RNI No.UTTHIN/2005/16338